● वर्ष : 17 ● अंक : 205 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 16 मई 2026

लोकतंत्र का स्तंभ

भारत-यूएई के बीच 7 विषयों पर सहमति पांच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

- रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, एलपीजी आपूर्ति और 5 अरब डॉलर निवेश पर सहमति
- पश्चिम एशिया में शांति के लिए भारत ने यूएई के साथ खड़े रहने का दिया भरोसा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई यात्रा के दौरान 7 अहम विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी से जुड़े समझौते का उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह समझौता भविष्य में वैश्विक संकट या तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान भारत को राहत देने में मदद करेगा। एलपीजी आपूर्ति सहयोग समझौते के तहत यूएई भारत को दीर्घकालिक आधार पर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। यह समझौता ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के साथ दोनों देशों की आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत करेगा। भारत और यूएई के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढांचे का उद्देश्य रक्षा उद्योग सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत दोनों देश रक्षा तकनीक साझा करने और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा और दोनों देशों के सामरिक संबंध मजबूत होंगे। वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने का समझौता भारत के समुद्री और औद्योगिक क्षेत्र को नई गति देगा। इससे जहाज मरम्मत उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' अभियान को मजबूती मिलेगी। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। जहाज निर्माण और मरम्मत क्षेत्र में कौशल विकास सहयोग का उद्देश्य भारतीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण देना है। इससे भारत में शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे। भारत में एआई सुपर कंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने के समझौते के तहत यूएई की तकनीकी कंपनी भारत में अत्याधुनिक डेटा सेंटर और सुपर कंप्यूटर क्षमता विकसित करेगी। इससे भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुसंधान और डिजिटल नवाचार मिशन को गति मिलेगी तथा तकनीकी क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी। यूएई के भारत में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बड़ा समर्थन देगी। यह निवेश सड़क, बंदरगाह, ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और भारत की विकास गति को मजबूती मिलेगी।

पीएम ने यूएई पर हमलों की निंदा की, स्वतंत्र होर्मुज के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर

अबूधाबी/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यात्रा के दौरान कई अहम समझौते और निवेश घोषणाएं की गई । दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

16 राज्यों में 36 करोड़ मतदाताओं का महासत्यापन चुनाव आयोग के लिए चुनौती

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हाल ही में खत्म हुए हैं। इसके तुरंत बाद भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 36 करोड़ मतदाताओं के सत्यापन के लिए एसआईआर की अधिसूचना जारी कर दी है। अभी तक चुनाव आयोग ने दो चरणों में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 59 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन का काम किया है। इसमें अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाये गये हैं। इसको लेकर लगातार विवाद देखने में मिलते रहे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, अभी तक इस पर सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्णय नहीं आया है। चुनाव आयोग जो एसआईआर करा रहा है, उसका अधिकार उसे है या नहीं, अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से इसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इसी बीच बिहार सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी हुए हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल भी शामिल था। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। चुनाव आयोग ने यहां के लिए जो नियम बनाए थे, वह बिहार एवं अन्य राज्यों के नियमों से अलग थे। पश्चिम बंगाल में करीब 1 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। करीब 63 लाख मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची में होते हुए भी स्पेलिंग या अन्य कारणों से हटाए गए थे। इसमें से करीब 28000 मतदाताओं ने ट्रिब्यूनल में अपील भी की है। उन मतदाताओं को मतदान में भाग नहीं लेने दिया गया। पिछले तीन माह में एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों और उन नागरिकों के बीच में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनका अधिकार छीन लिया गया है।

प. बंगाल में एसआईआर के बाद ममता सरकार बुरी तरह से पराजित हुई है। जितने नाम एसआईआर में हटाये गए, उससे कम मतों से टीएमसी के उम्मीदवार पराजित हुए हैं। यह विवाद चल रहा था, इस बीच रही-सही कसर बिहार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने जलती हुई आग में घी डालने का काम किया है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें नागरिक नहीं माना जाएगा। जो मतदाता सूची में नहीं है, उन्हें सरकारी स्तर पर जो सुविधाएं मिल रहीं थीं, वह आगे नहीं मिलेंगी। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा 36 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के दायरे में लाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसे आसानी से स्वीकार किया जाएगा, इसमें संदेह है। सुप्रीम कोर्ट से अभी तक चुनाव आयोग को एसआईआर को लेकर एक तरह का संरक्षण मिलता रहा है। अब जिस तरह से प्रतिक्रिया हो रही है, उससे चुनाव आयोग की चुनौतियां भविष्य में बढ़ती हुई दिख रही हैं। सुप्रीम में जो सुनवाई चल रही है, उसमें न्यायपालिका के ऊपर याचिकाकर्ताओं का दबाव बनना शुरू हो गया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-चीन तीन साल के लिए रणनीतिक स्थिरता पर सहमत, ट्रंप-जिनपिंग ने किए कई समझौते

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को चीन का दौरा पूरा कर राजधानी बीजिंग से स्वदेश रवाना हो गए। उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दो दिनों तक बातचीत की जिसमें ईरान और ताइवान से लेकर व्यापार, तेल एवं बोइंग जैसे तमाम मुद्दे शामिल रहे। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, शी ने कहा कि अमेरिका और चीन अगले तीन वर्ष के लिए "रणनीतिक स्थिरता" पर सहमत हुए हैं। ट्रंप ने बीजिंग के इस दौरे में दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि चीन, अमेरिकी तेल और सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने बोइंग कंपनी से 200 बड़े वाणिज्यिक जेट विमान खरीदने पर सहमति जताई है। माना जा रहा है कि यह सौदा लगभग एक दशक में अमेरिका निर्मित विमानों की सबसे बड़ी खरीद हो सकती है। इसे दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सीएनएन, सीबीएस न्यूज, सीएनबीसी, फॉक्स न्यूज और चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अपने दौरे के दौरान ट्रंप ने गुरुवार को रात्रिभोज में शी को 24 सितंबर को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया है।

युद्ध का मैदान बदल रहा इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगी : एयर चीफ

नई दिल्ली। युद्ध का मैदान बदल रहा है इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगी। यही वजह रही

कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में पहली बार भारत-पाक संघर्ष के दौरान ड्रोन सबसे पसंदीदा हथियार बने। ड्रोन आने वाले रोबोटिक युद्ध का सिर्फ शुरुआती एक्शन हैं। आने वाले समय में तीनों सेनाएं एक ही एयर में ऑपरेट करेंगी। इसके लिए अंतरिक्ष में भी आपसी तालमेल होना चाहिए। हवा में युद्ध करने से ऑपरेशन के दौरान इंसानों की जान का खतरा कम होता है और कम कीमत ही युद्ध लड़ा जा सकता है। इस तरह के विचार नई दिल्ली के एयरफोर्स ऑडिटोरियम में एक एयरोस्पेस पावर सेमिनार में शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने रखे हैं। स्वायत्त रक्षा थिंक टैंक सेंटर फॉर एयरपावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज के सहयोग से यह संयुक्त गोष्ठी आयोजित की गई। इस सेमिनार में वरिष्ठ सैन्य हस्तियों, क्षेत्र के विशेषज्ञों और विशिष्ट प्रतिभागियों को एयरोस्पेस क्षमता बढ़ाने में रखरखाव दक्षता और आत्मनिर्भरता की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाया गया। इस सेमिनार में भारत की वायु सेना को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई नीतिगत रूपरेखाओं पर केंद्रित पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के राष्ट्रव्यापी विजन के अनुरूप रखरखाव रणनीतियों को अपनाने पर अपने विचार साझा किए। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि 'ड्रोन और अनमैन्ड एरियल (यूए) सिस्टम का यह विषय बहुत प्रासंगिक है, यह एक सच्चाई है।

नीट-यूजी 2026 में बड़ा बदलाव, अगले साल से कंप्यूटर बेस्ड होगी परीक्षा

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 एग्जाम में पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलावों का ऐलान किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष आयोजित परीक्षा में पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद सरकार ने निष्पक्षता बनाए रखने के लिए दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की कि नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम 21 जून को आयोजित होगा। सरकार का मानना है कि इससे मेहनती छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार पेपर लीक माफिया और फर्जी अभ्यर्थियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। मामले की जांच विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

री-एग्जाम के लिए छात्रों को नई सुविधाएं : री-एग्जाम में छात्रों को कई नई सुविधाएं भी दी जाएंगी। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन किया था, उन्हें दोबारा परीक्षा शुल्क नहीं देना होगा। साथ ही फीस संबंधी शिकायत करने वाले छात्रों को रिफंड भी दिया जाएगा।

ब्रिक्स देशों ने वैश्विक दक्षिण के महत्व और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था पर दिया जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

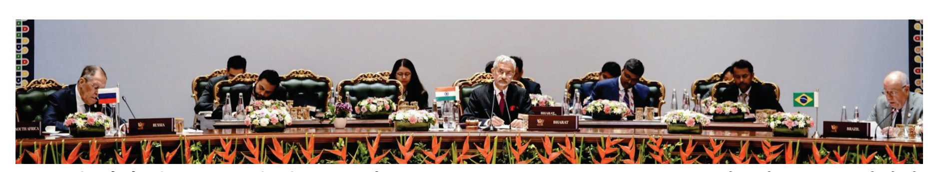

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक 14 और 15 मई को नई दिल्ली में आयोजित की गई। पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के बीच हो रही इस बैठक के बाद कोई संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया गया। हालांकि अध्यक्षीय वक्तव्य और परिणाम दस्तावेज़ जारी किया गया। मंत्रियों ने कहा कि ब्रिक्स अब वैश्विक दक्षिण के लिए प्रभावशाली मंच बन चुका है और भविष्य में इसका संस्थागत विस्तार तथा सहयोग और मजबूत किया जाएगा। इसमें बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र सुधार, आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता, गाजा में युद्धविराम, विकासशील देशों की मजबूत भागीदारी और वैश्विक शासन को अधिक न्यायसंगत, लोकतांत्रिक तथा संतुलित बनाने पर सबसे अधिक जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी में बताया गया है कि ब्रिक्स विदेश मंत्रियों ने वैश्विक राजनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और बहुपक्षीय सहयोग से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' विषय के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया। बैठक में अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देने की बात कही गई। मंत्रियों ने गाजा, लेबनान, सूडान, सीरिया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए युद्धविराम, मानवीय सहायता और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का समर्थन किया। फिलिस्तीन के लिए दो-राष्ट्र समाधान तथा संयुक्त राष्ट्र में उसकी पूर्ण सदस्यता के समर्थन को दोहराया गया। आतंकवाद के मुद्दे पर ब्रिक्स देशों ने सभी प्रकार के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की भी कड़ी आलोचना की गई, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। सदस्य देशों ने आतंकवाद के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाने और सीमा पार आतंकवाद, आतंक वित्तपोषण तथा सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता बताई।

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

नई दिल्ली। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मनमानी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी या अस्पष्टता के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी। जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक आधार पर पार्सल सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा।

रद्द हुई नीट यूजी 2026 परीक्षा अब दोबारा 21 जून को होगी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 को लेकर चल रहा सस्पेंस अब खत्म हो गया है। पेपर लीक और धांधली के पुख्ता सबूत मिलने के बाद केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 3 मई को आयोजित हुई परीक्षा को रद्द करने का बड़ा फैसला लिया है। अब यह परीक्षा दोबारा 21 जून 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी। जांच में सामने आया है कि राजस्थान के सीकर सहित अन्य कोचिंग हब में परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर लीक हो गए थे। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप को मुख्य परीक्षा के पेपर से हूबहू मेल खाते सवाल मिले, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया। इस पूरे मामले की जांच अब सीबीआई को सौंप दी गई है। इस फैसले से परीक्षा में शामिल हुए करीब 23 लाख उम्मीदवारों को दोबारा तैयारी करनी होगी। राहत की बात यह है कि छात्रों को री-टेस्ट के लिए कोई अतिरिक्त फीस या नया फॉर्म नहीं भरना होगा। एनटीए जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर नए एडमिट कार्ड जारी करेगा। क्या उम्मीदवारों को फिर से फीस देनी होगी? : नहीं, उम्मीदवारों के लिए यह राहत की बात है कि उन्हें नीट यूजी 2026 री-टेस्ट के लिए कोई भी अतिरिक्त फीस नहीं देनी होगी।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा, विरोधियों को छोड़कर सबके लिए खुला है होर्मुज मार्ग

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा कि ईरान भी होर्मुज जलडमरुमध्य को पूरी तरह सुरक्षित और खुला रखना चाहता है। युद्धरत देशों के जहाजों को छोड़कर अधिकांश जहाजों के लिए यह मार्ग खुला भी है। हालांकि परिस्थितियों के कारण ईरानी सेना के साथ समन्वय जरूरी है। भारत के कई जहाजों को भी ईरान ने सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया है। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए नई दिल्ली आए ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "हॉर्मुज जलडमरूमध्य के संबंध में हमारी भी यही इच्छा है कि इसे पूरी तरह से फिर से खोल दिया जाए। जहाँ तक हमारा सवाल है, हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला हुआ है या नहीं। सभी जहाज़ वहाँ से गुज़र सकते हैं- सिवाय उन देशों के जहाज़ों के जो हमारे साथ युद्ध की स्थिति में हैं और हमारे विरुद्ध लड़ रहे हैं। जो जहाज़ वहाँ से गुजरना चाहते हैं, उन्हें जाहिर तौर पर हमारी सेना के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए क्योंकि वहाँ कुछ बाधाएँ मौजूद हैं। ऐसे में हम उन्हें सुरक्षित मार्ग दिखाएँगे, जैसा कि हमने कई भारतीय जहाज़ों के साथ किया है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि फिलहाल संघर्ष विराम लागू है, हालांकि स्थिति नाजुक बनी हुई है। उनका कहना था कि ईरान किसी भी दबाव या सैन्य कार्रवाई के आगे नहीं झुकेगा। समस्या का समाधान केवल कूटनीति तथा "विन-विन" समझौते से ही संभव है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ ताकतें अमेरिका को फिर से युद्ध की ओर धकेलना चाहती हैं। अराघची ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और ईरान की चिंताएं तथा हित काफी हद तक समान हैं।

अब पाकिस्तान ने कहा- ये सकारात्मक पहल है

पाक से बातचीत का संघ ने समर्थन किया और पूर्व सेना प्रमुख ने भरी हामी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले द्वारा पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने और पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे द्वारा इसका समर्थन किए जाने के बाद अब पाकिस्तान की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। पाकिस्तान ने भारत में उठ रही इन आवाजों को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताते हुए इसका स्वागत किया है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच रचनात्मक सहयोग और ईमानदार संवाद बेहद जरूरी है। साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान जब प्रवक्ता से आरएसएस नेता और पूर्व सेना प्रमुख के बयानों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि भारत के भीतर से संवाद पर जोर देने वाली ये आवाजें यकीनन सकारात्मक हैं और वे उम्मीद करते हैं कि भारत में समझदारी की यह सोच बनी रहेगी। हालांकि, उन्होंने इस बात पर करीब से नजर रखने की बात कही कि क्या भारत सरकार की तरफ से इन बयानों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है या नहीं। दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे (बैक-चैनल) चल रही किसी भी संभावित बातचीत पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए अंद्राबी ने कहा कि कूटनीति में ऐसी प्रक्रियाएं पूरी तरह गोपनीय होती हैं, इसलिए वह इस पर कोई पुष्टि या खंडन नहीं करेंगे। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सद्भाव के लिए कूटनीति, संप्रभुता के सम्मान और सार्थक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। नियंत्रण रेखा के हालातों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सैनिक सीमा पर किसी भी संघर्ष या युद्धविराम उल्लंघन को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं। इसके अलावा, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता पर भी पाकिस्तान ने अपनी भूमिका को स्पष्ट किया। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच स्थायी शांति की स्थापना के लिए अपनी ओर से सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभा रहा है, हालांकि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मुख्य जिम्मेदारी दोनों प्रमुख देशों की ही है।

हैती में गैंगवार: 78 लोगों की मौत, 66 घायल

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती की राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस एक बार फिर भीषण हिंसा और गैंगवार की चपेट में है। शहर के बाहरी इलाकों, विशेष रूप से सिटी सोलेय और क्रोआ-दे-बुके में पिछले कुछ दिनों से जारी खूनी संघर्ष ने भयावह रूप ले लिया है। इस तांडव में अब तक कम से कम 78 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 66 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में 10 आम नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें महिलाएं और एक छोटी बच्ची भी है। इन इलाकों में पिछले दो वर्षों से आपराधिक गिरोहों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए सामूहिक पलायन कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, हिंसा के डर से अब तक करीब 5300 लोग अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित हो चुके हैं। राजधानी के कई हिस्सों में सन्नाटा पसरा है और विस्थापित लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हैती में गहराते इस मानवीय संकट और बढ़ती असुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की रेणुकास्वामी हत्याकांड में अभिनेता दर्शन की जमानत याचिका

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वो इस मामले के 60 अहम गवाहों की जांच एक साल में पूरी करे। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट गवाहों की जांच के लिए रोजाना के आधार पर सुनवाई कर सकती है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर ट्रायल में कोई खास प्रगति नहीं होती है, तो कन्नड़ अभिनेता दर्शन जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। रेणुकास्वामी आटो चालक था और वो दर्शन का फैंस था। इसके पहले उच्चतम न्यायालय ने 14 अगस्त, 2025 को दर्शन को कर्नाटक उच्च न्यायालय से मिली जमानत के आदेश को निरस्त कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि उच्च न्यायालय ने दर्शन एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और अगर उन्हें जमानत पर बाहर रखा जाता है तो वो ट्रायल और जांच को प्रभावित कर सकते हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2024 को दर्शन और दूसरे आरोपितों को नियमित जमानत दी थी।

डीजल-पेट्रोल के दामों में वृद्धि को लेकर खरगे ने मोदी सरकार को घेरा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पांच राज्यों में चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दामों में वृद्धि को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरा। खरगे ने जनता की जेब पर बढ़ते बोझ को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वर्क फ्रॉम होम और तेल बचाने की नसीहत पर खरगे ने एक्स पोस्ट में लिखा कि ये संकट मोदी सरकार द्वारा निर्मित संकट है। मोदी सरकार में दूरदर्शी सोच का अभाव है, इसे जनता को समझना चाहिए। इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दामों में वृद्धि उद्योगों से लेकर घरेलू बजट और किसानों पर भी पड़ रहा है। खरगे ने कहा कि चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष को सब सामान्य नजर आता है लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद सब जगह संकट फैल जाता है, मंहगाई चरम पर पहुंच जाती है।

उपराष्ट्रपति सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 16 मई (शनिवार) को सिक्किम के राज्य स्थापना दिवस समारोह में सम्मिलित होने के लिए गंगटोक जाएंगे। उप राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी राज्य में पहली यात्रा होगी। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 16 मई को सिक्किम स्थापना दिवस मनाया जाता है। यह दिन उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है जब सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना था। यह दिन न केवल एक राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक है बल्कि यह सिक्किम की संस्कृति, विरासत और एकता का उत्सव भी है। भारत की आज़ादी के बाद सिक्किम एक स्वतंत्र राजशाही राज्य रहा। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद सिक्किम ने भारत के साथ एक विशेष संधि की, जिसके तहत यह एक संरक्षित राज्य बना। यह स्थिति 1975 तक बनी रही। भारत का सबसे छोटा राज्य सिक्किम अपने मठों की संख्या के लिए प्रसिद्ध है, क्योंकि यहां 200 से अधिक मठ स्थित हैं। सिक्किम की संस्कृति में हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म का अनूठा संगम देखने को मिलता है, जो तीन अलग-अलग समुदायों लेपचा, भूटिया तथा नेपाल की परंपराओं, मान्यताओं और रीति-रिवाजों के मिश्रण से बनी है।

अरावली पर्वतमाला मामले में खनन पट्टाधारक के पक्ष में फिलहाल कोई आदेश पारित नहीं होगा : सुप्रीम कोर्ट

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। अरावली पर्वतमाला में खनन को लेकर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह खनन पट्टा धारकों के पक्ष में फिलहाल कोई आदेश पारित नहीं करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कोर्ट इस मामले की टुकड़ों में सुनवाई नहीं करेगी। जब तक हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाते तब तक किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी खनन पट्टे को रद्द किया जाता है तो संबंधित पक्ष उसे चुनौती दे सकता है। 26 फरवरी को उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि वो विशेषज्ञों की राय लेगी कि क्या अरावली इलाके में खनन की इजाजत दी जा सकती है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से विशेषज्ञों का नाम सुझाने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि वो विशेषज्ञों से पूछेगी कि अगर अरावली इलाके में खनन की इजाजत दी जा सकती है तो किस हद तक। साथ ही इसकी निगरानी कौन करेगा। कोर्ट ने मामले में पेश वकीलों से भी कहा था कि वे कमेटी बनाने के लिए विशेषज्ञों का नाम सुझाएं। कोर्ट विशेषज्ञों की राय का पूरी तरह आकलन करेगा जिसमें अरावली हिल्स और अरावली रेंज की परिभाषा, 100 मीटर की ऊंचाई की सीमा का असर शामिल होगा। कोर्ट इस बात पर भी विचार करेगा कि क्या पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के अंतराल में पर्यावरण का नुकसान किए बिना नियंत्रित खनन की इजाजत दी जा सकती है। कोर्ट ने साफ किया था कि अरावली को लेकर पहले दिए गए उस आदेश पर लगी रोक जारी रहेगी, जिसमें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली मानने की बात कही गई थी।

विकसित भारत का निर्माण सेवा, समावेशिता और उत्तरदायित्व की भावना से संभवः उपराज्यपाल संधू

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल आर्थिक प्रगति से नहीं बल्कि सेवा, समावेशिता और उत्तरदायित्व की भावना से संभव है।उपराज्यपाल संधू आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में निष्ठा सोसायटी की ओर से आयोजित "महात्मा हंसराज स्मृति व्याख्यान एवं सम्मान समारोह" को संबोधित कर रहे थे। इसका मुख्य विषय "भारतीय संस्कृति में सेवा और विकास की अवधारणा : विकसित भारत 2047" था। समारोह में सिविल सेवा परीक्षाओं में सफलता

प्राप्त करने वाले हंसराज कॉलेज के विद्यार्थियों एवं पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में, उपराज्यपाल ने महात्मा हंसराज के शिक्षा-दर्शन, राष्ट्रसेवा और चरित्र निर्माण के आदर्शों को स्मरण करते हुए कहा, " भारतीय शिक्षा परंपरा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं रही बल्कि उसका उद्देश्य सदैव उत्तरदायी, संवेदनशील और नैतिक नागरिकों का निर्माण करना रहा है। युवाओं को राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाना चाहिए।" देश-विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करते समय उन्होंने अनुभव किया कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक जड़ों, नैतिक मूल्यों और युवाशक्ति में निहित होती है। आज विश्व भारत की ओर केवल आर्थिक शक्ति के रूप में नहीं बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक नेतृत्व के केंद्र के रूप में भी देख रहा है। संधू ने सिविल सेवा में चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़े उत्तरदायित्व की शुरुआत है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे प्रशासनिक सेवा को केवल करियर के रूप में न देखें बल्कि जनसेवा और राष्ट्रहित के माध्यम के रूप में ग्रहण करें।उपराज्यपाल ने मूल्यपरक शिक्षा, चारित्रिक निर्माण और भारतीय संस्कृति आधारित नेतृत्व की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि विकसित भारत सपना तभी साकार होगा जब शिक्षा व्यवस्था ज्ञान के साथ-साथ संवेदना, नैतिकता, अनुशासन और सेवा भाव का भी विकास करे। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीयता, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने कहा कि सिविल सेवा में चयनित विद्यार्थियों की सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रमा ने कहा कि महात्मा हंसराज का जीवन सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है। विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक दृष्टि के समन्वय के साथ आगे बढ़ें।यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में चयनित हंसराज कॉलेज के विद्यार्थियों एवं पूर्व छात्रों में साक्षी सक्सेना (रैंक 151), कुमार कनिष्का (रैंक 280), कोमल मावी (रैंक 314), स्वाति आर्या (रैंक 366), अभिषेक मीणा (रैंक 766) तथा आयुष सेमवाल (रैंक 851) प्रमुख रहे। इसके अलावा, यूपीपीएससी परीक्षा में अभय सिंह (रैंक 3), राजू मोदनवाल (रैंक 11), अभिमन्यु सिंह (रैंक 69) तथा आरपीएससी परीक्षा में हार्दिक अग्रवाल (रैंक 375) को भी सम्मानित किया गया। यूपीएससी भारतीय आर्थिक सेवा परीक्षा 2025 में चयनित अभिषेक नेहरा को विशेष रूप से सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान "नारी सेतु भारत" नामक एक नई महिला सशक्तिकरण पहल की भी घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य देशभर में बालिका शिक्षा और महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रमा ने की। कार्यक्रम का संयोजन निष्ठा सोसायटी के संयोजक डॉ. प्रभांशु ओझा द्वारा और संचालन दर्शन विभाग की प्राध्यापक डॉ. अनमोलप्रीत कौर ने किया।

जरुरत्मन्द बलिकाओं के लिए नुह मे स्पीड बालिका गृह का उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः स्पीड बालिका गृह का उद्घाटन श्री कुँवर आदित्य विक्रम (एसडीएम, नूंह मेवात) द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार छोन्कर (सदस्य, जेजेबी), श्री विनोद कुमार (चेयरपर्सन, बाल कल्याण समिति), श्री राधेश्याम, श्री राजकुमार, श्री नवीन कुमार, श्रीमती निशा रानी (सभी सदस्य, बाल कल्याण समिति), श्री आबिद हुसैन (जिला बाल संरक्षण अधिकारी), श्रीमती लक्ष्मी, मोहम्मद इस्माइल, श्री बिमलेश तिवारी (डिस्ट्रिक्ट एपिडेमियोलॉजिस्ट, स्वास्थ्य विभाग), श्री जितेंद्र (प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट), डॉ. सिद्धार्थ गोयल (ऑर्थोपेडिक्स), श्री शमीम अहमद (प्रोग्राम ऑफिसर), श्री यश अरोड़ा (वकील), श्री अवधेश यादव (सीईओ, स्पीड) एवं श्रीमती ललिता (उपाध्यक्ष, स्पीड) शामिल रहे। इसके साथ ही स्पीड संस्था के कर्मचारियों की भी भागीदारी रही। कार्यक्रम की शुरुआत श्री अवधेश यादव द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया तदुपरान्त मुख्य् अतिथि द्वारा रिबन खोलकर बालिका गृह का उद्घाटन किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि को बालिका गृह का भ्रमण किया गया और संस्था के कार्यों के बारे में जानकारी

दी गई। बताया कि यह बालिका गृह नूंह मेवात क्षेत्र की जरूरत को ध्यान में रखकर शुरु किया गया है, क्योंकि यहां पहले ऐसी कोई सुविधा नहीं थी। इस गृह में बच्चियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी व जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष द्वारा जे जे एक्ट, वैधानिक व कानूनी प्राविधानों की जानकारी मुख्य अतिथि को दी गयी। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने "हम होंगे कामयाब" गीत प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा। मुख्य अतिथि श्री कुंवर आदित्य विक्रम ने अपने संबोधन में कहा कि स्पीड संस्था बहुत अच्छा काम कर रही है और जरूरत पड़ने पर वे हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती ललिता जी द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया ।

कांग्रेस ने सोने-चांदी पर आयात शुल्क में वृद्धि और सोने की खरीद संबंधी परामर्श को लेकर मोदी सरकार को घेरा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने सोने-चांदी पर आयात शुल्क और पेट्रोल-डीजल व गैस के दामों में वृद्धि को जनविरोधी बताते हुए मोदी सरकार को पुरजोर तरीके से घेरा है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पार्टी महासचिव और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि सरकार द्वारा सोने-चांदी पर आयात शुल्क को छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक साल तक सोना न खरीदने की अपील से देश का आभूषण उद्योग गंभीर संकट में आ जाएगा। सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जुलाई 2020 से अगस्त 2025 के बीच 75,082 एमएसएमई बंद हो चुके हैं। 2015-16 से 2022-23 के बीच असंगठित विनिर्माण क्षेत्र में 18 लाख एमएसएमई बंद हो गए। उन्होंने आगे कहा कि अब प्रधानमंत्री छोटे सुनार, कारीगर, व्यापारियों की आजीविका को खत्म करने और देश में तबाही मचाने का रास्ता खोल रहे हैं। उन्होंने इसे भाजपा निर्मित त्रासदी और क्रूर अमानवीय अत्याचार बताया। स्वर्णकार संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की मौजूदगी में पत्रकार वार्ता करते हुए सुरजेवाला ने बताया कि आभूषण क्षेत्र भारत की जीडीपी में लगभग सात प्रतिशत योगदान देता है और देश के कुल व्यापारिक निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सीधे तौर पर 50 लाख से अधिक कारीगरों को रोजगार देता है और इससे लगभग साढे तीन करोड़ लोग सीधे या परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह चेतावनी दी कि गहनों की मांग में एक साल की गिरावट इस उद्योग को तबाह कर सकती है।

जमाअत के उपाध्यक्ष ने उप्र में तूफ़ानों से जान-माल की क्षति पर चिंता व्यक्त की, आपदा से निपटने की तैयारियों को प्रबल बनाने का आह्वान किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तूफ़ान, भारी बारिश और बिजली गिरने से सौ से अधिक लोगों की दुखद मौत पर गहरा शोक और चिंता व्यक्त की है। मीडिया को जारी एक बयान में जमाअत के उपाध्यक्ष ने कहा, "हम उन लोगों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और इस आपदा से प्रभावित लोगों के साथ अपनी एकात्मता प्रकट करते हैं। जान-माल के नुकसान और घरों व आजीविका को हुई क्षति का स्तर अत्यंत दुखद है। हालाँकि ये आपदायें प्राकृतिक होती हैं, लेकिन उनके प्रभाव की तीव्रता हमारे बुनियादी ढाँचे की स्थिति, तैयारियों की पर्याप्तता और कमज़ोर आबादी की सुरक्षा के लिए मौजूद सुरक्षा

तंत्रों के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा करती हैं।" प्रो. सलीम इंजीनियर ने आगे कहा, "हालांकि राज्य सरकार ने राहत उपायों और मुआवज़े की शुरुआत की है, लेकिन हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह केवल तात्कालिक और प्रतीकात्मक सहायता से आगे बढ़कर कार्रवाई करे। बिजली गिरने, इमारतों के ढहने और तूफ़ान से होने वाले नुकसान की घटनाओं ने गरीबों और कमज़ोर घरों में रहने वाले लोगों को प्रभावित किया है। इससे हमें एक सबक यह सीखना चाहिए कि हमें मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षित आवास, शुरुआती चेतावनी प्रणालियों और सामुदायिक जागरूकता में सार्वजनिक निवेश को और अधिक बढ़ाने की ज़रूरत है। जलवायु से जुड़ी प्रचंड मौसमी घटनाएँ बढ़ रही हैं और सरकारों के लिए एक दीर्घकालिक तथा सक्रिय दृष्टिकोण अपनाना अत्यंत आवश्यक है। घटनाओं के बाद केवल आपदा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय रोकथाम, तैयारी और सामाजिक सुरक्षा पर ज़ोर दिया जाना चाहिए।" जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष ने कहा, "यह भी उतना ही चिंताजनक है कि ऐसी गंभीर मानवीय त्रासदी को मुख्यधारा और सोशल मीडिया में वह अपेक्षित जगह नहीं मिली, जिसकी वह हकदार है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने से जुड़े मुद्दे पर अपेक्षाकृत चुप्पी यह दर्शाती है कि मीडिया का एक बड़ा हिस्सा केवल सनसनीखेज़ और भावनात्मक मुद्दों को प्राथमिकता देने में ही दिलचस्पी रखता है। नतीजतन महत्वपूर्ण और वास्तविक मुद्दे दब जाते हैं जिससे सार्वजनिक जवाबदेही कमज़ोर होती है और जनमत को नुकसान पहुँचता है। मीडिया, नागरिक समाज और सार्वजनिक संस्थानों को प्रभावित समुदायों की पीड़ा को उजागर करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी अवस्था को न तो नज़रअंदाज़ किया जाए और न ही भुलाया जाए। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस आपदा के कारणों और परिणामों का व्यापक मूल्यांकन करे और इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से ठोस उपाय लागू करे। नागरिकों को ऐसी त्रासदियों से सुरक्षा और संरक्षा प्रदान करना राज्य का एक मौलिक दायित्व है जिसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।"

भोजशाला के मंदिर करार देने के हाई कोर्ट के फैसले का विहिप ने किया स्वागत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मध्य प्रदेश के धार शहर स्थित भोजशाला को मंदिर करार दिए जाने के मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए इसे अविलंब हिंदुओं को सौंपने की मांग की है। विहिप के संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेन्द्र जैन ने उच्च न्यायालय के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह हिंदू समाज के 550 सालों के संघर्ष का फल है। सभी इतिहास से भलीभांति परिचित हैं। बावजूद इसके मुस्लिम समाज सच्चाई को झुठलाता रहा है। इतिहास गवाह है कि हमारे सैंकड़ों मंदिरों को तोड़ा गया। विहिप किसी भी समाज का विरोधी नहीं है लेकिन हिंदू समाज की आस्था को देखते हुए सभी समाज को उसका सम्मान करना चाहिए।उन्होंने कहा कि भोजशाला के बाद अब मथुरा और काशी के मंदिर के मामले में भी हिंदू समाज की जीत होगी। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार से भोजशाला को अविलंब हिंदुओं को सौंपने की मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार से भारत में चुराई गई मां सरस्वती की प्रतिमा को ब्रिटेन से वापस लाने की भी मांग की। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि भोजशाला में हिंदू पूजा-अर्चना की निरंतरता कभी समाप्त नहीं हुई है।ऐतिहासिक साहित्य और रिकॉर्ड यह साबित करते हैं कि विवादित क्षेत्र भोजशाला था, जो परमार वंश के राजा भोज से जुड़ा संस्कृत शिक्षा का प्रमुख केंद्र माना जाता था। हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की अधिसूचनाओं और सर्वेक्षण रिपोर्ट पर विचार किया। एएसआई के पुरातात्विक साक्ष्यों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए यह फैसला सुनाया गया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका का निम्नलिखित निर्देशों के साथ निपटारा किया जाता है- भोजशाला और कमल मौला मस्जिद का विवादित क्षेत्र 18/3/1904 से अधिनियम 1958 के तहत संरक्षित स्मारक है।इस क्षेत्र का धार्मिक स्वरूप देवी वाग्देवी सरस्वती के मंदिर सहित भोजशाला है। केंद्र सरकार और एएसआई धार में स्थित विवादित संपत्ति के अंतर्गत भोजशाला मंदिर और संस्कृत शिक्षण के उद्देश्यपूर्ण प्रशासन और प्रबंधन के लिए निर्णय लेंगे।

दिल्ली के मंत्री अपने कार्यक्रमों व दफ्तर साइकिल, ईवी कार और मेट्रो से पहुंचें

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईंधन बचत के आह्वान व 'मेरा भारत, मेरा योगदान' अभियान के तहत साइकिल, ईवी कार और मेट्रो से अपने कार्यक्रमों और दफ्तर पहुंचें।दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में आयोजित कार्यक्रम में साइकिल से पहुंचे। उन्होंने यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईंधन बचत के आह्वान को ध्यान में रखते लिया। प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अगर हम सब अपनी आदतों में थोड़ा बदलाव लाएं, तो देश का बहुत बड़ा ईंधन बचाया जा सकता है। सरकार की पहल तभी सफल होती है, जब हम भी उसमें भागीदार बनें। दिल्ली के पर्यावरण

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज दफ्तर जाने के लिए मेट्रो से सफर किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'गर्व है कि मैं इस पहल का हिस्सा बना, क्योंकि यह केवल एक अभियान नहीं बल्कि देश के प्रति मेरी जिम्मेदारी का भाव है। सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशहित में जो महत्वपूर्ण आह्वान किए हैं, वे चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों में भारत को और मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम हैं। ऐसे समय में हम सभी का कर्तव्य है कि अपने स्तर पर भी योगदान दें। छोटे-छोटे प्रयास ही मिलकर बड़े बदलाव की राह बनाते हैं।दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा आज ऊर्जा संरक्षण का संदेश देने के लिए ईवी कार चलाकर दिल्ली सचिवालय पहुंचे। इस मौके पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली में मेट्रो मंडे, दो वर्क फ्रॉम होम और न्यूनतम गाड़ियों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। सभी मंत्री और अधिकारी भी सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करेंगे और अपने लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन बचत और ऊर्जा के जिम्मेदार उपयोग अपील की गई, दिल्ली सरकार और दिल्ली वासी इसे पूरा करने के लिए संकल्पित हैं।कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री और अधिकारी सरकारी संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, ईंधन की बचत और पर्यावरण हितैषी उपायों को अपनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। दिल्ली सरकार स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी आधारित अभियान को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है।

वेनिस बिएनाले में अपनी चमक बिखेर रहा भारतीय पवेलियन 'रिमेंबरिंग होम'

लोकतंत्र की शान

वेनिस। विश्व की सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनियों में से एक, वेनिस बिएनाले में भारतीय कला की अद्भुत झलक देखने को मिल रही है। इस बार भारत पवेलियन की थीम 'दूरियों का भूगोलः घर की यादें' रखी गई है। यह थीम बदलती दुनिया में घर की भावना, स्मृति, प्रवासन और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। वेनिस बिएनाले 2026 (61वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी) में भारत ने 7 साल के लंबे अंतराल के बाद अपने राष्ट्रीय पवेलियन (भारत मंडप) के साथ धमाकेदार वापसी की है। इस ऐतिहासिक प्रदर्शनी का आधिकारिक उद्घाटन केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने वेनिस, इटली के ऐतिहासिक 'आर्सेनाले' स्थित आइसोलोटो गोदाम में किया। यह प्रदर्शनी 9 मई से 22 नवंबर 2026 तक जनता के

लिए खुली रहेगी। इस विशेष प्रदर्शनी का संयोजन (क्यूरेशन) प्रसिद्ध कला विशेषज्ञ डॉ. अमीन जाफर द्वारा किया गया है। संस्कृति मंत्रालय ने इस मंडप को नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) और सेरेंडिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के साथ सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) के तहत प्रस्तुत किया है। इटली स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा 61वें वेनिस बिएनाले में इंडियन पवेलियन दर्शकों को यादों, अपनेपन और पहचान की एक यात्रा पर ले जाता है। 'दूरियों का भूगोलः

घर की यादें' समकालीन भारतीय कलात्मक अभिव्यक्ति से गढ़ा गया एक मनमोहक अनुभव प्रदान करता है। इसके अलावा भारत की सार्वजनिक कूटनीति को दर्शाने वाले विदेश मंत्रालय के 'इंडियन डिप्लोमेसी' के एक्स अकाउंट से भी भारतीय पवेलियन द्वारा दी गई शानदार प्रस्तुति को साझा किया गया। इस पोस्ट में लिखा गया शानदार परफॉर्मेंस से लेकर मनमोहक इंस्टॉलेशन तक, वेनिस बिएनाले में इंडिया पवेलियन दुनिया भर के दर्शकों को लगातार अपनी ओर खींच रहा है। इस प्रदर्शनी में भारत की ओर से पांच प्रमुख समकालीन कलाकार अलवर बालासुब्रमण्यम (बाला), रंजनी शेट्टार, सुमाक्षी सिंह, स्कार्मा सोनम ताशी और आसिम वक़ीफ़ की कृतियां एक साथ प्रस्तुत की गई हैं, जिनकी कलाकृतियां गहन परिवर्तन के दौर में घर के अर्थ को प्रतिबिंबित करती हैं। भारतीय सभ्यता में गहराई से निहित सामग्रियों, जैसे मिट्टी, धागा, बांस, पेपर-मैशे और हाथ से निर्मित प्राकृतिक संरचनाओं के माध्यम से एकजुट ये कृतियां द्विवार्षिक प्रदर्शनी के मुख्य विषय, 'इन माइनर कीज़', को दर्शाती हैं। पूरे पवेलियन में घर खंडित, अधर में लटका हुआ, ढांचे पर टिका हुआ और पुनर्कल्पित रूप में दिखाई देता है। ये कृतियां परिवर्तन की एक साझा स्थिति को दर्शाती हैं और कलाकार मिलकर एक ऐसी सामूहिक आवाज का निर्माण करते हैं, जो भारतीय पहचान में गहराई से निहित होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी गूंजती है।

संक्षिप्त समाचार

नगर पालिका की लापरवाही से बदहाल हुआ शहर का पार्क क्षेत्र, गंदगी का लगा अंबार

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/केंद्र सरकार द्वारा "विकसित भारत" और "स्वच्छ भारत" जैसे बड़े-बड़े नारे दिए जा रहे हैं, लेकिन रामपुर नगर पालिका की लापरवाही के चलते शहर में साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराती नजर आ रही है। शहर में कई स्थानों पर गंदगी और कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामला शान पैलेस के सामने फव्वारा, बरेली गेट रोड, शाहाबाद गेट के पास का बताया जा रहा है, जहां पहले से बना पार्क और सौंदर्यीकरण स्थल नगर पालिका की अनदेखी के कारण बदहाली का शिकार हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां लंबे समय से कूड़ा-कचरा पड़ा हुआ है और

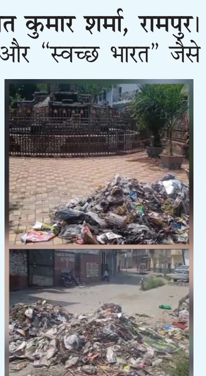

सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं आते। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका के ईओ (अधिशासी अधिकारी) शहर की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय केवल औपचारिकता निभा रहे हैं। लोगों का कहना है कि अधिकारी शहर विधायक के "कठपुतली" बनकर रह गए हैं और असली मुद्दों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। एक ओर जहां शहर विधायक द्वारा चौराहों को सुंदर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पहले से बने पार्कों और फव्वारा स्थलों पर नगर पालिका की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। गंदगी के कारण वहां दुर्गंध फैल रही है और आने-जाने वालों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि नगर पालिका जल्द से जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त करे, नियमित कूड़ा उठान की व्यवस्था हो और संबंधित अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाए। अब देखना यह होगा कि नगर पालिका प्रशासन इस लापरवाही पर कब तक आंखें मूंदे रहता है या फिर जनता की शिकायतों पर कोई ठोस कदम उठाता है।

चौधरी मुशीर अली खान ने सराय तरीन दरबार में सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, विकास कार्यों में तेजी

लोकतंत्र की शान ,सैय्यद कुमैल ज़ैदी , सम्भल। नगर पालिका परिषद सम्भल द्वारा शहर में कराए जा रहे विकास कार्यों के क्रम में आज वार्ड क्षेत्र सराय तरीन दरबार में निर्माणाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण करने के लिए चेयरमैन पति एवं वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी मुशीर अली खान साहब पहुंचे। उनके साथ सदस्य जलाल भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान चौधरी मुशीर अली खान ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सड़क की मजबूती तथा समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद सम्भल की चेयरमैन आसिया मुशीर अली

खान के नेतृत्व में शहर के प्रत्येक वार्ड में बिना भेदभाव विकास कार्य कराए जा रहे हैं और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना ही प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सम्भल को स्वच्छता, सुंदरता और विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए दिन-रात कार्य किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद की टीम लगातार सड़क, नाली, साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिल रही है। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की कार्यशैली की भी लोगों ने सराहना की। नगर पालिका प्रशासन के सहयोग से शहर में विकास कार्यों को नई गति मिली है। स्थानीय लोगों ने चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान, अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी तथा चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहली बार क्षेत्र में इतनी तेजी से विकास कार्य दिखाई दे रहे हैं। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनी गईं और उन्हें जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया। नगर पालिका परिषद सम्भल द्वारा चलाए जा रहे विकास अभियान से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

रामपुर शहर विधायक ने विद्युत विभाग को दीं पांच गाड़ियां, हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। शहर में विद्युत व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से रामपुर शहर विधायक द्वारा विद्युत विभाग को पांच नई गाड़ियां उपलब्ध कराई गईं। विधायक ने इन गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर विधिवत रूप से रवाना किया और शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि शहर में बिजली से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विभाग को संसाधनों की आवश्यकता थी। इन नई गाड़ियों के मिलने से विद्युत विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी और बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का निस्तारण समय से किया जा सकेगा। विधायक ने बताया कि अब बिजली फॉल्ट, ट्रांसफार्मर खराबी, लाइन टूटने, तथा अन्य तकनीकी समस्याओं पर विभाग की टीम तेजी से मौके पर पहुंच सकेगी। इससे आम जनता को राहत मिलेगी और शहर में विद्युत

व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे। विभागीय अधिकारियों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन वाहनों के मिलने से फील्ड स्टाफ को कार्य करने में सुविधा होगी और सेवा में गति आएगी। इस शुभारंभ कार्यक्रम को लेकर क्षेत्रीय लोगों में भी उत्साह देखा गया और लोगों ने इसे एक सकारात्मक पहल बताया।

अब खामोशी भी समझेगी दीन',आला हजरत ट्रस्ट की अनोखी पहल, साइन लैंग्वेज में दी जाएगी इस्लामिक तालीम

लोकतंत्र की शान ,(बरेली उत्तर प्रदेश संदीप चंद्रा) बरेली से शुरू होगी नई मुहिम, मूक-बधिर बच्चों को कुरान, नमाज और इस्लाम की बुनियादी शिक्षा उनकी अपनी जुबान में सिखाई जाएगी बरेली। जो लोग जन्म से न बोल सकते हैं और न सुन सकते हैं, अब उनके लिए भी दीन-ए-इस्लाम की तालीम आसान होने जा रही है। आला हजरत ट्रस्ट ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मूक-बधिर बच्चों और बड़ों को साइन लैंग्वेज में इस्लामिक शिक्षा देने की मुहिम शुरू करने का ऐलान किया है। बुधवार को 91, कशाना-ए-नूरी सौदागरान स्थित ट्रस्ट के हेड ऑफिस में आयोजित अहम बैठक में ट्रस्ट के राष्ट्रीय सदर मोहतशिम रजा खान ने इस पहल की घोषणा की। ट्रस्ट के महासचिव चंगेज खान ने बताया कि समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जो ताउम्र खामोशी में जिंदगी गुजारता है, लेकिन उनके दिलों में भी दीन को जानने और समझने की तमन्ना उतनी ही मजबूत होती है। सुनने और बोलने में असमर्थता उनकी राह में सबसे बड़ी रुकावट बनती है। इसी जरूरत को महसूस करते हुए उलमा-ए-इकराम के पैनल की मदद से अब मूक-बधिर लोगों को उनकी अपनी भाषा यानी साइन लैंग्वेज में कुरान शरीफ, नमाज, रोजा, हज, जकात और रोजमर्रा की सुन्नतों की तालीम दी जाएगी। इस मुहिम में मुफ्ती हजरात की बातों को सुनकर चंगेज खान साइन लैंग्वेज में ट्रांसलेट करेंगे। शुरुआत इस्लाम की बुनियादी शिक्षा से होगी और हर इस्लामिक महीने में दीन, हुकूक और शरीयत के अलग-अलग पहलुओं पर जानकारी दी जाएगी। मोहतशिम रजा खान ने कहा कि आने वाले समय में इन्हीं बच्चों में से कोई इमाम, आलिम या मुफ्ती बनकर अपने जैसे लोगों तक दीन की रोशनी पहुंचाएगा। ट्रस्ट की ओर से जल्द ही हेल्पलाइन नंबर 7248774163 भी जारी किया जाएगा, ताकि बरेली समेत देशभर के लोग इस मुहिम से जुड़ सकें। बैठक में जकवान रजा खान, हय्यान रजा खान, शमशाद नूरी, इस्लाम भाई, उवेस खान, शानू साबिर, तहसीन और सय्यद असद समेत कई लोग मौजूद रहे।

टांडा पुलिस व साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई 75 हजार के जाली नोटों के साथ दो गिरफ्तार

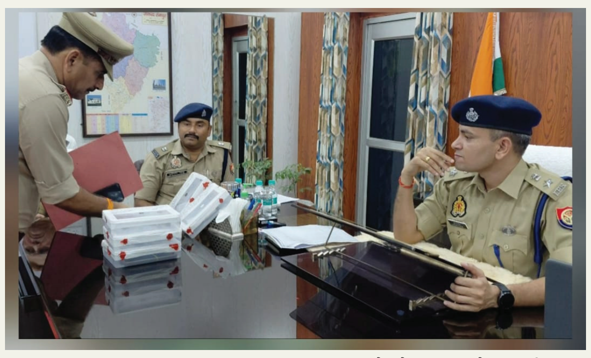

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश/जनपद रामपुर के थाना टांडा क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 75,000 रुपये के जाली नोटों के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई साइबर सेल टीम एवं थाना टांडा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के पास से जाली मुद्रा बरामद की गई, जिसकी कुल कीमत 75 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को मौके से दबोचकर हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम इस प्रकार हैं– वाहिद पुत्र छिड़, निवासी ग्राम शिकारपुर, थाना टांडा, जनपद रामपुर, उम्र करीब 62 वर्ष। मोहम्मद हुसैन पुत्र अमीर हुसैन, निवासी ग्राम रानी नागल भोजपुरी, जनपद मुरादाबाद, उम्र करीब 50 वर्ष। बताया जा रहा है कि दोनों अभियुक्त जाली नोटों को खपाने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस की सतर्कता के चलते उन्हें समय रहते पकड़ लिया गया। पुलिस ने बरामद जाली नोटों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की है। फिलहाल पुलिस दोनों अभियुक्तों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि जाली नोट कहां से लाए गए थे और इनके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि जाली नोटों के नेटवर्क की जांच की जा रही है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी संभव है।

योगी सरकार के एआई विजन को मिली नई गति, लखनऊ बना टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का उभरता केंद्र

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से देश के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी और एआई इनोवेशन हब के रूप में उभर रहा है। इसी दिशा में शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित 'एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026' में देशभर से 50 से अधिक आईएएस अधिकारियों व अन्य वरिष्ठ प्रशासकों ने भाग लिया। कॉन्क्लेव के दौरान 'द एआई-पावर्ड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेटरः कॉम्पिटेंसीज फॉर ए न्यू एरा ऑफ गवर्नेंस' विषय पर उच्चस्तरीय कैपेसिटी-बिल्डिंग वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसका संचालन एनआईएचआईटी (NIHIT) की संस्थापक और इंडिया-यूएस सीईओ फोरम की वर्किंग ग्रुप-7 की शेरपा डॉ. सुबी चतुर्वेदी ने किया। डॉ. सुबी चतुर्वेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, विशेषकर लखनऊ, भारत में एआई इनोवेशन का सबसे उपयुक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। पहले यह शहर तहज़ीब की पहचान था, अब वर्तमान सरकार के नेतृत्व में नवाचार की नई पहचान बना रहा है। इनमोबी जैसी कंपनियों के डीपटेक ऑपरेशन्स शुरू होने से प्रदेश में गवर्नेंस, रिसर्च, टैलेंट, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और आंत्रप्रेन्योरशिप का नया इकोसिस्टम विकसित हो रहा है। कॉन्क्लेव के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एआई नीति और टेक्नोलॉजी विजन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। हाल में लखनऊ की वृंदावन योजना में 368 करोड़ की लागत से देश की पहली एआई सिटी को मंजूरी दी गई है, जबकि यूपी एआई मिशन के लिए 225 करोड़ का विशेष बजट आवंटित किया गया है।

वर्तमान पीढ़ी को अतीत व बदलाव से अवगत कराएं प्रबुद्धजनः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज के प्रबुद्धजन का आह्वान किया कि वे वर्तमान पीढ़ी को देश-प्रदेश के अतीत और आज दिख रहे बदलाव से अवगत कराएं। नौजवानों को बताना होगा कि नौ-दस साल पहले प्रदेश में क्या हालात थे और आज क्या परिवर्तन आया है। प्रदेश को अव्यवस्था, अराजकता, दंगे-कर्फ्यू में झोंकने वालों के हाथों नौजवानों को गुमराह होने से बचाने के लिए ऐसा करना बहुत आवश्यक है। जागरूकता की यह जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रबुद्धजन को आगे आना होगा। सीएम योगी शुक्रवार को राप्तीनगर में आयोजित 'प्रबुद्ध संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महानगर भाजपा के राप्तीनगर मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करने तथा वंदे मातरम के सामूहिक गायन के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम आज के युवा को पहले की स्थितियों से अवगत नहीं कराएंगे तो वह नहीं जान पाएगा कि तुष्टिकरण का खामियाजा क्या होता है। यह प्रदेश 9-10 वर्ष पहले गुंडागर्दी, अराजकता, अव्यवस्था, कर्फ्यू, क्षेत्रीय दलों द्वारा शोषण का खामियाजा भुगत चुका है। युवाओं को आगाह कर उनके सामने ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देनी है। क्षणिक स्वार्थवश नागरिकों के भविष्य से खिलवाड़ देशद्रोह है और यह छूट किसी संगठन या संस्था को नहीं दी जा सकती।

2017 के पहले दंगा-कर्फ्यू, अराजकता, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार ही यूपी की पहचान– मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सबने बदलते भारत, बदलते उत्तर प्रदेश और बदलते गोरखपुर को देखा है। 2017 के पहले जब बच्चा पैदा होता था तो मां-बाप उसे इंसेफेलाइटिस से बचाने को लेकर चिंतित रहते थे। बच्चे के बड़ा होने पर पढ़ाई, नौजवान होने पर नौकरी या रोजगार की चिंता थी। रोजगार के लिए यूपी से बाहर जाने पर पहचान का संकट था। विकास बाधित था। बिजली, सड़क और रोजगार नहीं था। अन्नदाता किसानों के लिए कोई सुविधा नहीं थी। व्यापारी गुंडा टैक्स देने को मजबूर था, चिकित्सक भयाक्रांत रहते थे, बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। दंगा-कर्फ्यू, अराजकता, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार ही उत्तर प्रदेश की पहचान बन गए थे।

विश्व प्रसिद्ध दरगाह ए आलिया नज्फे ए हिंद जोगीपुरा मे नई जरीह-ए-मुबारक रखी गई , हजारों जायरीन ने की जियारत की

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

बिजनौर नजीबाबाद : यूपी के शिया वक्फ बोर्ड के चैयरमेन अली जैदी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा तमाम मोमिनीन को दिली मुबारकबाद पेश की मौली अली के रौजा-ए-अकदस पर नई जरीह-ए-मुबारक पुरनूर रस्म अकीदत व एहतराम के साथ पेश की गयी , दरगाह प्रशासक मौलना शबाब नकवी ने हजारों जायरीन और मोमिनीन के साथ जरीह-ए-मुबारक की जियारत की प्रशासक मौलाना शबाब नकवी ने जायरिनो से अपील करते हुए कहा मौला अली का दर हर मजहब के लिए खुला है अगले हफ़्ते से शुरू होने वाली सालाना मजलिस अमन इतेहाद और इंसानियत के पैगाम के लिए है , जिस तरह आपने जरी की तकरीब को कामयाब बनाया है उसी तरह मजालिसो मे भी ज्यादा से ज्यादा तादाद में तशरीफ़ लाकर मुल्क की सलामती की दुआ करें पंजाब हज कमेटी के सदस्य व दरगाह मशहद ए हिंद समाना के सेक्रेटरी सैय्यद अली हैदर ने कहा नज्फे ए हिंद जोगीपुरा मोहब्बत और इतेहाद का मरकज है , मौला अली ने उन्हे यहा जरीह-ए-मुबारक का शरफ अता किया

दरगाह जोगीपुरा होने सालाना मजलिस का आगाज 21 से 24 मई को होगा–मोमिन रजा, नवाब अली, नसीमुल हसन बाकरी, नायर नकवी, हैदर अली , अमजद अली, साईद अब्बास, कामरान जैदी, सिराज जैदी, मोहम्मद अब्बास उर्फ मुन्ना, चौधरी उरूज आलम, मौलाना फिरोज, आदि लोग मौजूद रहे

बहेड़ी के ताज होटल में नाबालिग से दरिंदगीः आरोपी मुजाहिद गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट में भेजा गया जेल

लोकतंत्र की शान

(बरेली उत्तर प्रदेश संदीप चंद्रा) बरेली। जनपद के थाना बहेड़ी पुलिस ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर होटल में ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बहला-फुसलाकर होटल ले गया था आरोपी–पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार 15 मई को पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना बहेड़ी में यह सनसनीखेज मामला दर्ज किया गया। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी मुजाहिद पीड़िता को बहला-फुसलाकर एक स्थानीय 'ताज होटल' में ले गया, जहां उसने नाबालिग की मर्जी के खिलाफ उसके साथ बलात्कार (दुष्कर्म) की वारदात को अंजाम दिया। मामले की गंभीरता और पीड़िता के नाबालिग होने के कारण बहेड़ी पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म) और पॉक्सो एक्ट (नाबालिग से यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के सुपरविजन में हुई गिरफ्तारी–घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) अनुराग आर्य ने तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र के दिशानिर्देशन और क्षेत्राधिकारी (CO) बहेड़ी अरुण कुमार के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक (SHO) बहेड़ी दिनेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। इस टीम में शामिल निरीक्षक (अपराध) रविन्द्र कुमार नैन, कांस्टेबल दनांकित सोलंकी और रिक्रूट कांस्टेबल हर्ष ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार को ही नामजद आरोपी मुजाहिद (उम्र करीब 25 वर्ष), पुत्र अफजाल, निवासी मोहल्ला शाहगढ़, थाना बहेड़ी, जनपद बरेली को धर दबोचा।

पूछताछ में आरोपी ने कबूला जुर्म–पुलिस हिरासत में आने के बाद जब आरोपी मुजाहिद से गहनता से पूछताछ की गई, तो उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस के सामने उसने अपनी गलती मानते हुए कहा, "मुझसे गलती हो गई है, मुझे माफ कर दो।" पुलिस ने आरोपी के इस इकबालिया बयान और मौके से मिले वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं।

पीड़िता को सुरक्षा, कोर्ट के आदेश पर आरोपी जेल–एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र ने बताया कि पीड़िता की सुरक्षा और उसका चिकित्सकीय परीक्षण (मेडिकल एग्जामिनेशन) नियमानुसार करा दिया गया है। वहीं, गिरफ्तार आरोपी मुजाहिद के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोर्ट में जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल कर आरोपी को सख्त सजा दिलाई जाएगी। ताज होटल, बहेड़ी में कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में बहेड़ी थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा, निरीक्षक अपराध रविन्द्र कुमार नैन, कांस्टेबल दनांकित सोलंकी, रिक्रूट कांस्टेबल हर्ष शामिल रहे।

क्रिकेट खेलने के दौरान युवाओं में हुए विवाद को भीष्म सिंह खड़कवंशी ने सुलझाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को विधानसभा हसनपुर क्षेत्र के गांव अलीपुर खादर मिलक में दो पक्षों के बीच क्रिकेट मैच खेलने के दौरान विवाद हो गया था विवाद इतना बढ़ गया था कि दोनों ही पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए कोतवाली तक पहुंच गए थे, लेकिन हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में जाने पहचाने एवं समाजसेवी तथा बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी को ग्रामीणों ने गांव में चल रही पंचायत में फैसला हेतु बुलाया जहां पंचायत में पहुंचकर भीष्म सिंह खड़कवंशी ने दोनों पक्षों की बात को ध्यानपूर्वक सुना और दोनों के बीच फैसला करा दिया, बताते चलें कि ग्राम अलीपुर खादर मिलक में क्रिकेट मैच के दौरान मनोज पुत्र हुकुम सिंह पिंटू पुत्र हुकुम सिंह तथा दुष्यंत पुत्र नानक राजीव पुत्र नानक के बीच क्रिकेट मैच खेलने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया था जिसके निवारण हेतु गांव में मंदिर परिसर पर एक पंचायत का आयोजन किया

गया जिसमें भीष्म सिंह खड़क बंशी ने पहुंचकर दोनों पक्षों को सुनने के बाद समझा बूझाकर फैसला करा दिया, वही हर्ष की बात यह रही की दोनों ही पक्षों ने समझदारी एवं परिपक्वता दिखाते हुए फैसले को माना और आपस में तथा समाज में शांति बनाए रखना तथा भाईचारा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया इस पंचायत में दोनों पक्षों के दर्जनों लोग तथा गांव के बुजुर्ग एवं विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही 1

बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष ने किया अनस पब्लिक स्कूल का फीता काट कर उद्घाटन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : शुक्रवार को हसनपुर के मोहल्ला मुबारकपुर पेट्रोल पंप के पीछे संभल रोड स्थित अनस पब्लिक जूनियर हाई स्कूल का समाजसेवी एवं बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर फीता काट कर शुभारंभ कर दिया, बताते चलें कि विद्यालय प्रबंधक चौधरी अरशद हुसैन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए कक्षा नर्सरी से कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए विद्यालय खोला है जिसमें आसपास एवं दूर दराज के सैकड़ो बच्चे अब तक दाखिला ले चुके हैं, वही वहीं शुक्रवार को विद्यालय का शुभारंभ करते हुए बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे हम उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं वहीं उन्होंने स्कूल प्रबंधन एवं सभी

छात्र-छात्राओं को नई शुरुआत के लिए बधाई दी तथा उन्होंने आशा व्यक्त की यह विद्यालय क्षेत्र में ज्ञान और संस्कार का प्रकाश फैलाएगा, इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल अहमद राजा, विजेंद्र सिंह यादव, (वार्ड 21से सभासद पति) मुस्तकीम, उजमा, सादिया, नुसरत, आकिब आदि सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं गढ़मान्य लोग मौजूद रहे 1

किसान अधिकार पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, मुआवजा बढ़ाने को किसानों ने भरी हुंकार

» जगह-जगह ग्रामीणों ने किया स्वागत, डॉ. रवि नागर बोले-"एकजुटता से ही जीती जाएगी किसानों की लड़ाई"

लोकतंत्र की शान

(बरेली/उत्तर प्रदेश- संदीप चंद्रा) किसानों के अधिकार और उचित मुआवजे की मांग को लेकर निकाली जा रही किसान एकता संघ की पदयात्रा में गुरुवार को किसानों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गांव-गांव से किसान पदयात्रा में शामिल हुए और संगठन के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया, जिससे किसानों के आंदोलन को व्यापक समर्थन मिलता दिखाई दिया। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे हजरतपुर से शुरू हुई यह किसान अधिकार पदयात्रा मटकी चांदपुर, खुली और तहरपुर होते हुए शाम करीब 6:30 बजे यूसुफपुर पहुंचकर संपन्न हुई। पदयात्रा का नेतृत्व किसान नेता डॉ. रवि नागर ने किया। यात्रा के दौरान किसानों और ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्होंने किसानों को अपने अधिकारों

के प्रति जागरूक रहने और संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। डॉ. रवि नागर ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे किसान समाज की लड़ाई है। जब तक किसान एकजुट नहीं होंगे, तब तक अपनी मांगों को मंजिल तक पहुंचाना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की जमीन का उचित मूल्य नहीं दे रही है और किसान इतने कम मुआवजे पर अपनी जमीन देने के लिए तैयार नहीं होंगे। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि किसानों को कम से कम डेढ़ करोड़ रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा दिया जाना चाहिए। किसानों की जमीन उनकी आजीविका का आधार है और उसके बदले सम्मानजनक मुआवजा मिलना जरूरी है। पदयात्रा के दौरान ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और स्वागत कार्यक्रमों के जरिए किसानों का उत्साह बढ़ाया। कई गांवों में लोगों ने किसान एकता संघ के समर्थन में आवाज बुलंद की और किसानों की मांगों को जायज बताया। डॉ. रवि नागर ने जानकारी दी कि किसान अधिकार पदयात्रा का तीसरा दिन भी जारी रहेगा। शुक्रवार को यात्रा कुड्डा और भमोरा होते हुए पाकुनी गांव पहुंचकर समाप्त होगी। इस दौरान किसान एकता संघ के प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष पंडित राजेश शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, पप्पू प्रधान, नाथू सिंह, रामावतार यादव, राजेश शर्मा प्रधान, मुकेश सिंह, अलाउद्दीन, पप्पू अली, हसन, जुल्फिकार, आसिफ अली, सद्दाम, अली खान, नौशाद, सकलेन, मोनू, सचिन, पवन, राजेंद्र, दर्शन मौर्य, श्याम बाबू मौर्य, ओंकार सिंह, राज, अभिषेक, चंद्रभान, फैजान खान, फुरकान, नसीम, फरमान, नासिर, सतपाल, नवल किशोर, मेवाराम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सराय टोल प्लाजा के पास से 2 तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान , हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान सराय टोल प्लाजा के पास से लगभग 60 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई एक हुंडई वर्ना कार से की गई। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों के पास से गांजे के अतिरिक्त तीन मोबाइल फोन, 3300 रुपये नकद और तस्करी में प्रयुक्त हुंडई वर्ना कार भी जब्त की है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। सदर 02 लालगंज के एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि वैशाली पुलिस जिले में अवैध मादक पदार्थों के सेवन, बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर की गई। सराय थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि मुजफ्फरपुर से हाजीपुर की ओर एक हुंडई वर्ना कार में मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर डीआईयू और सराय थाना की टीम सराय टोल प्लाजा पर पहुंची। पुलिस टीम ने मुजफ्फरपुर की ओर से आ रही संदिग्ध हुंडई वर्ना कार को रोका। पुलिस को देखकर कार सवार दोनों तस्कर भागने लगे, जिन्हें टीम ने पीछा कर पकड़ लिया। विधिवत तलाशी के दौरान कार से लगभग 60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। इस संबंध में सराय थाना में कांड संख्या 161/26 दर्ज किया गया है। दोनों गिरफ्तार तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान अवैध मादक पदार्थ के स्रोत और इसके खरीदारों का खुलासा होगा। गिरफ्तार तस्करों में से एक का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाने में गांजा खरीदने-बेचने का एक मामला दर्ज है। पुलिस अब इस गिरोह में शामिल अन्य तस्करों का पता लगाने और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

दिखा शिवलिंग आकार का अनोखा फूल, मुरौवतपुर गांव में ग्रामीण कर रहे पूजा, कृषि विभाग करेगा जांच

लोकतंत्र की शान , हाजीपुर। वैशाली जिले के सहदेई बुजुर्ग प्रखंड के मुरौवतपुर गांव में एक खेत में शिवलिंग के आकार का एक विशाल फूल खिला है। इस अनोखे फूल को देखने के लिए आसपास के ग्रामीण उमड़ पड़े हैं और इसे भगवान शिव का रूप मानकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। यह फूल आकार में काफी बड़ा है और इसका रंग रक्त लाल है, जो लोगों के बीच कौतूहल का विषय बना हुआ है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यह भगवान शिव की महिमा है, जिसके चलते वे इसे पूजनीय मान रहे हैं। मौके पर महिलाएं भगवान शिव के गीत गाकर पूजा कर रही हैं। इस घटना की सूचना वैशाली के कृषि अधिकारियों को दे दी गई है। कृषि विभाग के अधिकारी अब इस फूल की प्रजाति और इसके खिलने के कारणों का पता लगाएंगे। अधिकारियों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह किस प्रकार का फूल है। तब तक ग्रामीण अपनी आस्था के अनुसार इसकी पूजा जारी रखे हुए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह ओल का फूल है, जो आमतौर पर बरसात के मौसम में इसी महीने में निकलता है।

पुलिस के सामने ईंट चोरी, मारपीट, पुलिस पर पक्षपात का आरोप

लोकतंत्र की शान , हाजीपुर। वैशाली थाना क्षेत्र के खेदड़पूरा गांव में ईंट चोरी और मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 10 मई की बताई जा रही है, जिसमें पीड़िता सुमन देवी ने गांव के कई लोगों पर खेत के पास रखी ईंटों को ट्रैक्टर पर लादकर ले जाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर गांव में तनाव का माहौल है, जबकि घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़िता सुमन देवी के अनुसार, गांव के विनोद राय, सकिंदर राय, जलेश्वर राय, उमेश राय, रामनाथ पासवान, रंजीत पासवान और वैशाली थाना के चौकीदार उमेश कुमार सिंह सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और उनके खेत के बगल में रखी ईंटों को ट्रैक्टर पर लादकर ले जाने लगे। सुमन देवी का आरोप है कि जब उन्होंने ईंट ले जाने का विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान पथराव किया गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पीड़िता का कहना है कि घटना के दौरान वह और उनके परिवार के लोग काफी भयभीत हो गए थे। आसपास के लोगों की भीड़ जुटने के बाद मामला और बढ़ गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ लोग लाठी-डंडों के साथ दिखाई दे रहे हैं और ट्रैक्टर पर ईंट लादते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया है। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन वीडियो को लेकर स्थानीय स्तर पर काफी चर्चा हो रही है। लोग पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठा रहे हैं। पीड़िता सुमन देवी ने वैशाली थाना अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि थाना पुलिस अपने चौकीदार का पक्ष ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ आवेदन देने के बावजूद उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। सुमन देवी ने बताया कि उन्होंने हाजीपुर स्थित एससी/एसटी थाने में भी आवेदन दिया था, लेकिन घटना के पांच दिन बाद तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। इसे लेकर उन्होंने नाराजगी जताई और निष्पक्ष जांच की मांग की है। आरोपी पक्ष का कहना है कि ईंट ले जाने से पहले पुलिस को इसकी सूचना दी गई थी। उनका दावा है कि मौके पर डायल 112 की टीम भी पहुंची थी, लेकिन उस समय किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई। आरोपी पक्ष का कहना है कि पूरे मामले को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। हालांकि पुलिस की ओर से अब तक इस मामले में विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पीड़िता ने मामले की शिकायत वैशाली पुलिस अधीक्षक से भी की है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना और वायरल वीडियो के बाद वैशाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो मामले को लेकर तनाव और बढ़ सकता है।

पहले हुई थी दूसरी जगह शादी, प्रेमी से मिलने पहुंची

लोकतंत्र की शान , मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में एक प्रेम कहानी इन दिनों इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। तीन साल पहले युवती की शादी परिवार वालों ने किसी दूसरे युवक से कर दी थी, लेकिन वह अपने पुराने प्रेमी को भुला नहीं सकी। आखिरकार जब दोनों साथ मिले तो मामला पंचायत तक पहुंच गया। घंटों चली बातचीत के बाद पंचायत और दोनों परिवारों ने प्रेम को स्वीकार करते हुए गांव के मंदिर में दोनों की शादी करा दी। मामला कांटी इलाके से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक बरियारपुर निवासी चंदन और नरसंडा की रहने वाली राधा लंबे समय से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। दोनों परिवार वालों से छिपकर मिला करते थे। इसी बीच करीब तीन साल पहले राधा की शादी दूसरे युवक से करा दी गई। हालांकि शादी के बाद भी वह उस रिश्ते में खुद को खुश नहीं रख सकी। परिजनों के मुताबिक, शादी के बाद राधा ज्यादातर समय मायके में ही रहने लगी थी और अक्सर उदास रहती थी। करीब डेढ़ साल पहले उसने ससुराल छोड़ दिया और मायके लौट आई। इस दौरान भी उसका संपर्क चंदन से बना रहा। गुरुवार शाम इस प्रेम कहानी ने नया मोड़ ले लिया। दोनों एक स्थानीय होटल में बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान युवती के परिजनों की नजर उन पर पड़ गई। इसके बाद परिवार में हंगामा मच गया और मामला गांव की पंचायत तक पहुंचा। गुरुवार शाम इस प्रेम कहानी ने नया मोड़ ले लिया। दोनों एक स्थानीय होटल में बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान युवती के परिजनों की नजर उन पर पड़ गई। इसके बाद परिवार में हंगामा मच गया और मामला गांव की पंचायत तक पहुंचा। पंचायत में दोनों पक्षों की बात सुनी गई। ग्रामीणों और पंचों ने जब दोनों की आपसी सहमति और एक-दूसरे के प्रति लगाव देखा तो रिश्ते को मंजूरी देने का फैसला लिया। किसी विवाद या तनाव के बजाय पंचायत ने दोनों को सामाजिक स्वीकृति देने का रास्ता चुना। इसके बाद कांटी स्थित मां जानकी मंदिर में दोनों की पूरे रीति-रिवाज के साथ शादी कराई गई। गांव के लोगों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में चंदन ने राधा की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी पत्नी बना लिया। शादी के दौरान गांव का माहौल बारात जैसा दिखा और बड़ी संख्या में लोग इस पल के गवाह बने।

पटना में आईपीएल सट्टेबाजी को लेकर गोलीबारी, दो घायल

नौबतपुर में देर रात घर पर चढ़कर फायरिंग का आरोप, 10 लाख कर्ज को लेकर विवाद

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में आईपीएल सट्टेबाजी के रुपये के विवाद को लेकर गुरुवार देर रात गोलीबारी की घटना सामने आई है। घटना नौबतपुर थाना क्षेत्र के बड़ी कोपा गांव की है। घटना में 64 वर्षीय राज किशोर सिंह और उनका 13 वर्षीय भतीजा आयुष कुमार छर्रा लगने से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

10 लाख रुपये के कर्ज को लेकर विवादः घटना गुरुवार रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। राज किशोर सिंह ने नौबतपुर थाना में दिए आवेदन में गांव के शिवम कुमार, गोपाल जी, छोटी उर्फ आशुतोष और अमन कुमार समेत आधा दर्जन लोगों पर घर पर चढ़कर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनका 22 वर्षीय पुत्र गुरुदेव कुमार, जो बीए का छात्र है, आईपीएल मैचों में सट्टेबाजी करता था। इसी दौरान उसने गांव के कुछ युवकों से ऊंचे ब्याज पर लाखों रुपये उधार लिए थे। बताया जा रहा है कि उस पर करीब 10 लाख रुपये से अधिक का कर्ज हो गया था।

रुपये मांगने पहुंचे आरोपी, विरोध पर चलाई गोलीः परिजनों के अनुसार, कर्ज देने वाले युवक लगातार रुपये लौटाने का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि गुरुवार देर रात आरोपी हथियार लेकर घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। जब परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान निकले छर्रे राज किशोर सिंह और आयुष कुमार को लगे, जिससे दोनों घायल हो गए।

वायरल वीडियो की जांच में जुटी पुलिसः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सहायक थाना प्रभारी इंदल कुमार यादव ने बताया कि, पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस घटना के एक वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है, जिसमें गोलीबारी की आवाज सुनाई दे रही है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

नौबतपुर थाना क्षेत्र के बड़ी कोपा गांव में आईपीएल सट्टेबाजी के 10 लाख रुपये के विवाद को लेकर गोलीबारी हुई। गुरुवार देर रात हुई इस घटना में 64 वर्षीय राज किशोर सिंह और उनका 13 वर्षीय भतीजा आयुष कुमार छर्रा लगने से घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना गुरुवार की रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। घायलों को परिजनों द्वारा इलाज के लिए ले जाया गया। राज किशोर सिंह ने नौबतपुर थाना में दर्ज कराए गए आवेदन में गांव के ही शिवम कुमार, गोपाल जी, छोटी उर्फ आशुतोष और अमन कुमार सहित आधा दर्जन लोगों पर घर पर चढ़कर अंधाधुंध फायरिंग करने का आरोप लगाया है।

"Share and Shine" थीम पर 17 मई को सहरसा में प्रमंडलीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः इंटरनेशनल आर्ट ऑफ गिविंग डे के अवसर पर 17 मई को "Share and Shine" (साझा करें और चमकें) थीम के तहत सहरसा स्टेडियम के बाहरी परिसर में प्रमंडल स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए सहरसा जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव सह आर्ट ऑफ गिविंग के प्रमंडलीय संयोजक रोशन सिंह धोनी ने बताया कि डॉ अच्युत सामंत की पहल पर कोसी प्रमंडल मुख्यालय में इस खेल आयोजन के साथ-साथ 7 वॉलीबॉल क्लबों को वॉलीबॉल एवं नेट भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि डॉ. अच्युत सामंत द्वारा उड़ीसा के भुवनेश्वर में KIT एवं KISS यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है, जहां लगभग 10,000 गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। वहीं, इस संस्थान से करीब 50,000 छात्र जुड़े हुए हैं, जो विभिन्न तकनीकी डिग्रियां प्राप्त कर रहे हैं। डॉ. सामंत का मानना है कि खेल शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके माध्यम से समाज के समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस प्रमंडलीय आयोजन को सफल बनाने में रोशन सिंह धोनी के अलावा अमन सिंह, राणा रंजन सिंह, अमित अमर, अमीन्द्र कुमार अमर, अरुण यादव, अमित ठाकुर, सैयद समी अहमद, प्रमोद कुमार झा, विप्लव रंजन, दर्शन कुमार गुड्डू, शिवेंद्र नारायण सिंह, अंशु मिश्रा, उज्जवल, प्रकाश, अमन, संदीप अभी सहित अन्य लोग सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

हर शुक्रवार 'No Vehicle Day' मनाने की अपील, जिलाधिकारी पैदल पहुंचे समाहरणालय

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन बचत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश के आलोक में जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार द्वारा जिले में प्रत्येक शुक्रवार को "No Vehicle Day" मनाने की अपील की गई है। इसी क्रम में आज दिनांक 15.05.26 को जिलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी, सदर अपने सरकारी आवास से समाहरणालय तक पैदल पहुंचे और आम लोगों के बीच एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, ईंधन की अत्यधिक खपत तथा पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए समाज में व्यवहारिक परिवर्तन लाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को यथासंभव बिना मोटर वाहन के कार्यालय आने-जाने की परंपरा विकसित करना एक सार्थक पहल होगी। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों, कर्मियों एवं जिलेवासियों से भी अपील की कि वे इस पहल में सहयोग करें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

विधायक के भाई से चेन स्नेचिंग, बदमाशों की तलाश जारी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के पॉश इलाके कंकड़बाग में जहानाबाद के विधायक राहुल कुमार के भाई रोहित कुमार से चेन स्नेचिंग की घटना हुई है। बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके घर से महज 100 मीटर की दूरी पर इस घटना को अंजाम दिया। यह वारदात सुबह करीब 7:46 बजे हुई, जब रोहित कुमार मॉर्निंग वॉक पर थे। घटना के बाद पीड़ित रोहित कुमार ने पुलिस गश्ती और राजधानी की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे रोहितः रोहित कुमार ने बताया कि वे प्रतिदिन की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। वे लोहिया नगर पार्क से पंचमंदिर की ओर जा रहे थे, जहां उनके आवास के पीछे पंचमंदिर स्थित है। घर लौटते समय पहले से घात लगाए बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। अचानक करीब आकर उनके गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। यह घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बदमाश फरार हो गए। छीनी गई सोने की चेन की कीमत लगभग 3 लाख रुपए बताई जा रही है। इस दौरान रोहित के गले पर खरोंच भी आई, जिससे खून निकलने लगा। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचित किया गया। पास की एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में यह पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज में हेलमेट पहने दो बाइक सवार बदमाश घटना को अंजाम देते दिख रहे हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर अपराधियों की तलाश कर रही है।

♦ पॉश इलाके में दो बाइक सवार आए, गले से चेन खींचकर भागे

राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेजः रोहित कुमार मूल रूप से जहानाबाद के रहने वाले हैं। वह जहानाबाद के वर्तमान विधायक राहुल कुमार के भाई हैं और जेडीयू के पूर्व सांसद जगदीश शर्मा के पुत्र भी हैं। ऐसे में दिनदहाड़े हुई यह वारदात राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गई है। घटना के बाद रोहित कुमार ने पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों के परिवार के लोग ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। रोहित का आरोप है कि इलाके में नियमित पुलिस गश्ती नहीं होने के कारण बदमाशों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। सुबह के समय मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'अपराधियों में पुलिस का डर खत्म होता जा रहा है।'

स्थानीय लोगों में डर, पुलिस पर उठे सवालः घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि राजधानी में लगातार छिनतई, चोरी और लूट की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रही है। आरोप है कि सुबह और देर रात के समय कई इलाकों में पुलिस गश्ती नजर नहीं आती, जिसका फायदा बदमाश उठा रहे हैं। लोगों ने इलाके में गश्ती बढ़ाने और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि, मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान करने की कोशिश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर पटना पुलिस की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

बंगाल से पेट्रोल भरवा रहे किशनगंज के लोग

4 पेट्रोल पंप बंद, पेट्रोल-डीजल 3 रुपए/ लीटर महंगा

लोकतंत्र की शान , पटना

अमेरिका और ईरान की जंग के बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ा दी गई है। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। शुक्रवार 15 मई, 2026 को पेट्रोलियम कंपनियों ने डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। बिहार में अब पेट्रोल की कीमत पटना में 108.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। गुरुवार तक पटना में पेट्रोल की कीमत 105.37 रुपए प्रति लीटर थी। वहीं डीजल के दाम भी बढ़े हैं अब पटना में डीजल की कीमत 94.65 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जबकि कल तक डीजल की कीमत 91.65 रुपए प्रति लीटर थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में CNG भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। किशनगंज में 4 पेट्रोल पंप बंद होने से लोग बंगाल से तेल भरवा रहे हैं। इधर, गयाजी में पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ देखी गई। पेट्रोल-डीजल लगने के लिए वाहनों की लंबी लाइन लग गई है। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ गई है।

किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड में 4 पेट्रोल पंप बंदः किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड में 8 पेट्रोल पंप है। इसमें से 4 पंप बंद कर दिए गए हैं। यहां पर तेल-डीजल खत्म हो चुका है। अब यहां के रहवासी बंगाल में पेट्रोल भरवाने जा रहे हैं। जिले में पेट्रोल 110.26 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जिसमें 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। डीजल की कीमत 96.34 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जिसमें 3.25 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि दर्ज की गई है।

और बढ़ सकती है कीमतः पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना में एक कार्यक्रम के दौरान पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों के सावधानीपूर्वक उपयोग का सुझाव दिया था। पीएम ने कहा था कि आज समय की मांग है कि पेट्रोल, गैस और डीजल का उपयोग बहुत संयम से किया जाए। हमें आयातित पेट्रो उत्पादों का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार ही करना चाहिए। इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी, बल्कि युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव भी कम होंगे।

संबल योजना के तहत निःशुल्क बैट्री चालित ट्राइसाइकिल हेतु 52 आवेदन स्वीकृत

लोकतंत्र की शान

सहरसा |मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः समाहरणालय सहरसा स्थित सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, सहरसा द्वारा संचालित संबल योजना के अंतर्गत निःशुल्क बैट्री चालित ट्राइसाइकिल वितरण के लिए जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर प्रखंड स्तर पर जांच के उपरांत कुल 53 आवेदन समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। सम्यक विचार के बाद 52 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई, जबकि 1 आवेदन को अस्वीकृत कर दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार, उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, सिविल सर्जन सहरसा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, सचिव रेड क्रॉस सोसाइटी तथा सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम सम्राट के सेक्रेटरी लोकेश कुमार की तबीयत बिगड़ी

लोकतंत्र की शान , पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सेक्रेटरी लोकेश कुमार सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें पटना के IGIMS अस्पताल में सीसीएम (ICU) में एडमिट कराया गया । डॉक्टर के मुताबिक उनका शुगर लेवल फिलहाल कम हो गया था। उनकी स्थिति अभी ठीक है और वे खतरे से बाहर हैं। शुक्रवार की सुबह उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

सीएम सम्राट चौधरी, स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, प्रत्यय अमृत, स्वास्थ सचिव कुमार रवि, पटना डीएम, मंगल पांडे, यशपाल मीणा और अनिमेष पाराशर समेत तमाम अधिकारी लोकेश सिंह से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। लोकेश कुमार सिंह को हाल ही में सचिवालय का

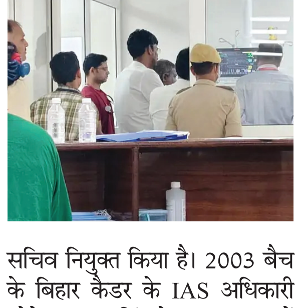

सचिव नियुक्त किया है। 2003 बैच के बिहार कैडर के IAS अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के पास 23 सालों का प्रशासनिक अनुभव है। इनकी पहचान सीधे ग्राउंड पर उतरकर समस्याओं का समाधान करने और किसी भी फाइल में कौमा से पूर्ण विराम तक पढ़ने वाले अधिकारी की है। लोकेश सिंह अपनी वर्किंग स्टाइल के चलते पहले ही सरकार के चहेते अधिकारियों की लिस्ट में शामिल हो गए थे।

मानसून से पहले मीठापुर से राजीवनगर तक जलजमाव

लोकतंत्र की शान , पटना

'हमारी गली में डेढ़ फीट तक पानी भरने से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बच्चों को भी स्कूल जाने में काफी परेशानी होती है। कई बार कंप्लेन कर चुके हैं, लेकन कोई रिस्पांस नहीं मिला।' यह कहना है मीठापुर के स्थानीय लोगों का, जो पिछले तीन महीने से जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। मानसून शुरू होने से पहले ही तेज बारिश ने पटना की सड़कों और ड्रेनेज व्यवस्था की पोल खोल दी है। कहीं सड़कें खोदी गई हैं तो कहीं गलियों में गंदा पानी जमा है। शहर के कई इलाकों में लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। राजीव नगर में तो एक दुकान में पिछली बारिश से जमा पानी अभी तक नहीं निकाला जा सका है।

मीठापुर में डेढ़ फीट तक पानी, बच्चे पॉलिथीन में ले जा रहे जूतेः मीठापुर के बी एरिया नहर मोहल्ले में पिछले तीन महीने से टूटा नाला लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। करीब 50 से अधिक घर जलजमाव से प्रभावित हैं। वार्ड पार्षद के घर वाली गली में ही डेढ़ फीट पानी जमा हुआ है। इस मोहल्ले में 50 से अधिक घर गंदे पानी के जलजमाव से प्रभावित है। लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। स्कूली बच्चे पॉलिथीन में अपने जूते और मोज डालकर घर से निकलते हैं और रोड पार करके अपने जूते पहनते हैं। गाड़ी से आने जाने वाले लोगों का ड्रेनेज के खुले चैंबर में गिरने का खतरा मंडरा रहा है।

महिलाएं घरों में कैद, बीमारी का बढ़ा खतराः मीठापुर निवासी 70 वर्षीय बीना देवी ने बताया कि, जलजमाव के कारण लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। कई घरों में पानी घुस चुका है और साग-सब्जी तक लाना मुश्किल हो गया है। वहीं, रामरती देवी ने कहा कि गंदे पानी से बदबू फैल रही है और डायरिया व वायरल बुखार जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोग बीमार होने के बावजूद इस पानी से होकर डॉक्टर तक जाने से डर रहे हैं।

पॉलिथीन में जूते-मोजे रखकर रोड पार करते बच्चेः स्कूल जाने के दौरान बच्चों को क्या परेशानी होती है, यह जानने के लिए जब हमने एक बच्ची से बात किया। अमायरा ने बताया कि, मोहल्ले में पानी भरने के कारण मुझे अपने जूते को पॉलिथीन में भरकर रोड पार जाना पड़ता है। फिर मैं वहां अपने जूते पहनती हूं। पटना नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, मीठापुर आरओबी सह फ्लाईओवर का निर्माण के कारण कई ड्रेनेज नाले क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन सभी को ठीक करने की जिम्मेदारी पुल निर्माण निगम की है। हालांकि, नगर निगम ने कहा है कि हमें इसकी कंप्लेन मिली है। जल्द से जल्द हम पंप चलाकर पानी की निकासी करेंगे, ताकि हालत पहले से बेहतर हो।

संक्षिप्त समाचार

जींद : बस में सवार होकर उचाना पहुंचे विधायक

लोकतंत्र की शान : जींद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचत को लेकर की गई अपील पर भाजपा उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री शुक्रवार को जींद बस स्टैंड से रोडवेज बस में सफर करके उचाना पालवां बस स्टैंड पहुंचे। यहां से ऑटो से पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह पहुंचे। बस में उनके साथ मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा, यशपाल कसूहन, निजी सचिव अशोक कुमार, गौरव अत्री सहित अन्य ने सफर किया।उचाना विधाक देवेंद्र अत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जो देशवासियों से आह्वान किया है, उसके समर्थन में जींद से बस में उचाना आना हुआ। हमारा दायित्व बनता है कि राष्ट्रहित में जो भी होगा उसमें आगे बढ़ेंगें। कोरोना जैसी महामारी को भी पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हराया है। हम आश्वसत हैं पीएम नरेंद्र मोदी ने जो ईंधन बचाने की अपील करते हुए पेट्रोल, डीजल की जो बचत करनी है, उसको लेकर जो देशवासियों से आह्वान किया है उसमें आगे बढ़ेंगे। पूरा देश पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान का समर्थन कर रहा है। सभी उचाना के लोग पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान का समर्थन करते हुए वाहनों को प्रयोग न करें। विधायक देवेंद्र अत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने एक मिसाल पेश की है। पहली बार ऐसा हुआ है जब कोई पीएम दो गाडि़यों के साथ निकला हो। हमें पूरा विश्वास है जो ये लड़ाई है उसको हम जितेंगे। विधायक ने कहा कि यह सब नियमित रूप से होना चाहिए। साइकिल का इस्तेमाल करना चाहिए। विधायक ने बस में यात्रियों से बातचीत की तो सब यात्री सीएम नायब सिंह सैनी के कार्यशैली से खुश नजर आए।

फरीदाबाद : निवेश के नाम पर लाखों की ठगी, दो खाताधारक सहित तीन गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। इनवेस्टमेंट के नाम पर 18 लाख रुपए की ठगी के एक मामले में थाना एनआईटी पुलिस ने तीन आरोपियों को रतलाम मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान मध्यप्रदेश निवासी वैभव(32), दीपक(26) व ऋषि(38) के रुप में हुई है। वैभव व दीपक राजमिस्त्री का काम करते है, वहीं ऋषि का खुद का ढाबा है। आरोपियों को शुक्रवार अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार सेक्टर-55 निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी दी अपनी शिकायत में बताया कि पिछले दिनों एक अंजान नंबर से उसके पास कॉल आया। कॉलर ने बताया कि उनकी एक इन्वेस्टमेंट नाम से कम्पनी है, ट्रेडिंग में एडवाईजरी की सर्विस देंगे, जिससे 1100 प्रतिशत मुनाफा होगा, फिर ठगो ने उसे झांसे में लेकर एक व्हॉट्सएप ग्रुप में जोड, जहां निवेश के नाम पर अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए ठगो द्वारा बताये खाता में उसने 18 लाख दो हजार रुपए रुपए भेज दिये। शिकायत पर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वैभव व दीपक का एस.एस. कन्स्ट्रक्शन एंड मटेरियल नामक फर्म के नाम से संयुक्त खाता था। ऋषि ने यह खाता खुलवाया और आगे ठगो को दे दिया था। खाता में ठगी के 4 लाख रुपये आये थे। वैभव व दीपक दोनों दोस्त हैं और स्टेशन रोड रतलाम पर स्थित ऋषि के ढाबा पर राजमिस्त्री का काम करने गये थे, वहीं पर ऋषि से उनकी जानकारी हुई थी।

नारनौल में विपुल गोयल और रेवाड़ी में राव नरबीर करेंगे मासिक बैठकों की अध्यक्षता

लोकतंत्र की शान : नारनौल। हरियाणा सरकार ने जिला जनसंपर्क एवं शिकायत निवारण समिति की मासिक बैठकों को लेकर नई जिम्मेदारियां तय करते हुए विभिन्न जिलों के लिए मंत्रियों और राज्य मंत्रियों की नियुक्तियां की हैं। सरकार की ओर से जारी आदेशों के अनुसार अब जिला महेंद्रगढ़ और जिला रेवाड़ी में शिकायत निवारण समिति की बैठकों की अध्यक्षता नए मंत्री करेंगे। हरियाणा सरकार के शिकायत विभाग द्वारा गुरुवार को जारी आदेश के मुताबिक राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल को जिला महेंद्रगढ़ (नारनौल) की जिला जनसंपर्क एवं शिकायत निवारण समिति की मासिक बैठकों की अध्यक्षता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह अब जिला रेवाड़ी में आयोजित होने वाली समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।सरकार द्वारा जारी इस आदेश के बाद दोनों जिलों में प्रशासनिक गतिविधियों को लेकर हलचल तेज हो गई है। जिला जनसंपर्क एवं शिकायत निवारण समिति की बैठकें आम लोगों की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इन बैठकों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं और जनता की शिकायतों पर सुनवाई की जाती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में तेजी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंत्रियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत संबंधित मंत्री अब सीधे तौर पर जिलों में शिकायतों की समीक्षा करेंगे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। प्रदेश सरकार की ओर से जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को भी नई व्यवस्था के अनुसार आगामी बैठकों की तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इससे जिलों में लंबित शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को गति मिलेगी और लोगों को राहत मिल सकेगी।

इलेक्ट्रिक वाहन से एनर्जी कॉन्क्लेव पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को एक अनूठी पहल करते हुए अपने नियमित काफिले के वाहन को छोड़कर इलेक्ट्रिक वाहन से मुख्यमंत्री कार्यालय से एनर्जी कॉन्क्लेव के लिए मेरियट होटल तक का सफर तय किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के अनुरूप सादगी और किफायत सुनिश्चित करने की शुरूआत मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के साथ की है। इससे पहले वे अपने काफिले में वाहनों की संख्या में कमी कर चुके हैं। अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों से भी काफिले में गाड़ियों की संख्या घटाने, वाहन उपयोग में मितव्ययिता बरतने और पेट्रोल-डीजल की खपत को देखते हुए शासकीय कार्यक्रमों की संख्या में कटौती करने का आह्वान किया गया है।

कांदला से पंजाब जा रहा केमिकल से भरा टैंकर पलटा, हादसा टला

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। शहर के निकटवर्ती केरू क्षेत्र में शुक्रवार की अलसुबह कांदला से पंजाब की तरफ जा रहा एक केमिकल से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर पलटने से उसमें से निक ले केमिकल से आस पास की झाडिय़ों में आग लग गई, लेकिन बडा हादसा टल गया। हादसे की सूचना पर राजीव गांधी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। दोपहर तक टैंकर को सीधा करवा कर पुलिस थाने लाया गया। पुलिस की तरफ से अग्रिम कार्रवाई जारी है। टैंकर में दवाई में प्रयोग होना केमिकल बताया गया है। थानाधिकारी रविंद्रपाल सिंह ने बताया कि सुबह के समय में सूचना मिली कि केरू हाइवे पर एक केमिकल का टैंकर पलट गया है। इस पर पुलिस थाने के एसआई पिंटू कुमार, एएसआई रामनारायण एवं कांस्टेबल नरपत सिंह आदि वहां पहुंचे। टैंकर से कुछ केमिकल का रिसाव होने से आस पास की झाडिय़ों में हल्की से आग लगी थी जिसे बाद में बुझा दिया गया। थानाधिकारी ने बताया कि टैंकर का चालक गाड़ी को लेकर कांदला से रवाना होकर पंजाब की तरफ जा रहा था। जोधपुर के केरू हाइवे पर पहुंचने पर चालक भोमाराम को संभवतः नींद की झपकी आई और वह पलट गया। कोई हताहत नहीं हुआ है। टैंकर को सीधा करवा कर थाने में फिलहाल रखवाया गया है। जांच पड़ताल के बाद रवाना कर दिया जाएगा।

बड़ी हुई वेतन को लागू करने आंगनवाड़ी संघ ने उठाई मांग

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एकता यूनियन सीटू ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा आंगनबाड़ी कर्मियों के हक में दिए गए निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे न केवल सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं का ग्रेच्युटी भुगतान होगा, बल्कि पुरानी बढ़ी हुई राशि जो राज्य सरकार द्वारा रोक दी गई थी को भी एरियर सहित भुगतान करने में मदद मिलेगी। संगठन की राज्य महासचिव किशोरी वर्मा, जिला अध्यक्ष सत्यभामा सिंह, आगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायका शैल मिश्रा, अर्चना शर्मा, पार्वती साकेत, मंजू सिंह, संगीता पटेल, ममता गुप्ता, सुखरनिया सिंह, रामलली पनिका, ममता जायसवाल, प्रमिला विस्वकर्मा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि 2018 में मानदेय वृद्धि 10 हजार रुपए किए जाने के बाद केंद्र सरकार ने भी डेढ़ हजार रुपए की मानदेय वृद्धि की लेकिन 2019 में राज्य सरकार द्वारा डेढ़ हजार रुपए कम कर दिए और केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए डेढ़ हजार रुपए उस मानदेय में जोड़ दिया जिसके कारण बढ़ा हुआ डेढ़ हजार रुपए मिलने पर जो 11500 होना चाहिए था वह 10000 ही रह गया। इसके विरोध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन मध्य प्रदेश सीटू द्वारा उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई, जिसका फैसला 21 अप्रैल 2026 को उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया, जिसमें काटा गया 1500 रुपए एरिया सहित भुगतान किए जाने और 6 प्रतिशत ब्याज के साथ दिए जाने का आदेश पारित किया गया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में ग्रेच्युटी के भुगतान किए जाने की अपील आंगनबाड़ी यूनियन गुजरात सीटू द्वारा की गई थी जिसका फैसला अप्रैल 2022 में आया जिसमें आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी दिए जाने का फैसला दिया गया था। इस फैसले के आधार पर मप्र हाई कोर्ट में भी याचिका दायर की जिसमें हाई कोर्ट द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करते हुए आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी दिए जाने का आदेश पारित किया, जिसमें 6 माह के अंदर लागू किए जाने के लिए सरकार को आदेशित किया गया। संगठन ने महिला बाल विकास विभाग एवं सरकार से तत्काल इस फैसले को लागू करने की मांग की है।

महराजगंज में मुख्यमंत्री ने बांटे स्वीकृति पत्र, चेक और टूलकिट

लोकतंत्र की शान

महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महराजगंज में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, चेक, टूलकिट और आवास की चाबियां वितरित कीं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया और उन्हें उपहार भी भेंट किए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग की ओडीओपी योजना के अंतर्गत अंगद को तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत सीमा कन्नौजिया को टूलकिट वितरित कीं। पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत राजकुमार कुशवाहा को 30 लाख की धनराशि का चेक दिया गया। ग्राम प्रधान पंचायत कल्याण कोष योजना के तहत बिजना देवी को 10 लाख का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में एपीओ कंचन मौर्या फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के निदेशक सुरेंद्र कुमार को कृषि यंत्र वितरण हेतु अनुदान राशि का चेक सौंपा गया। इसी प्रकार द्वारिका को भी अनुदान राशि से संबंधित कृषि यंत्र (ट्रैक्टर) की चाबी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत प्रतिभा जायसवाल को 5 लाख की परियोजना लागत का चेक दिया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अवतारी देवी को आवास की चाबी सौंपी गई, जबकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से विनोद को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत उर्मिला देवी को 5 लाख की सहायता राशि का चेक वितरित किया गया।

पंचायत सचिव पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप, गांव की महिलाओं ने खोली पोल

» सिहावल जनपद के ग्राम पंचायत कुनझुन कला का मामला

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत कुनझुन कला में पंचायत सचिव पर ग्रामीणों से पैसे लेकर शासकीय कार्य करने के गंभीर आरोप लगे हैं। गांव के उमरिया टोला स्थित प्रजापत मोहल्ले की महिलाओं और ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि समग्र आईडी में नाम जोड़ने, नाम अलग करने, कर्मकार कार्ड बनवाने और राशन कार्ड में नाम जुड़वाने जैसे कार्यों के लिए सचिव अशोक गौतम द्वारा पैसे की मांग की जाती है। गांव के रहने वाले महेश प्रजापति ने बताया कि उनकी बहू का नाम समग्र आईडी में जोड़ने के लिए सचिव द्वारा 700 रुपये मांगे गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि जब तक पैसे नहीं दिए गए तब तक करीब 6 महीने तक उनका काम लंबित रखा गया। बाद में पैसे देने के बाद ही नाम जोड़ा गया। वहीं गांव की निवासी सुनीता प्रजापति ने बताया कि समग्र आईडी से नाम अलग करवाने के लिए उनसे 500 रुपये लिए गए। इसके अलावा बच्चों का नाम जोड़ने के लिए 200-200 रुपये और राशन कार्ड कूपन में नाम जोड़ने के लिए 500 रुपये की मांग की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत से जुड़े अधिकांश काम ग्राम मायापुर में संचालित एक कंप्यूटर दुकान के माध्यम से करवाए जाते हैं, जहां सचिव के कहने पर पैसे देने पड़ते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं और दस्तावेजों से जुड़े काम, जो शासन द्वारा निशुल्क किए जाने चाहिए, उन्हें पैसे लेकर किया जा रहा है। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गांव की जर्जर सड़क को मरम्मत करने भूतपूर्व सैनिक ने उठाया गैंती फावड़ा

» चुरहट विधायक के क्षेत्र ग्राम पंचायत ममदर का हाल
» कांग्रेस के कथित कद्दावर नेता संगठन महामंत्री का गृह ग्राम पंचायत है ममदर
» भूतपूर्व सैनिक ने जर्जर सड़क का शुरू किया सुधार करना

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। ग्राम पंचायत ममदर घोड्डा की सुदूर सडक़ लंबे समय से जर्जर अवस्था में पड़ी हुई है। सडक़ खराब होने के कारण ग्रामीणों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब लोगों का आवागमन, मरीजों को अस्पताल पहुंचाना तथा बच्चों का स्कूल जाना तक कठिन हो जाता है। ग्रामीणों की ओर से कई बार प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रीय विधायक से सडक़ मरम्मत की मांग की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। आरोप है कि ग्राम पंचायत स्तर से उच्च अधिकारियों को सडक़ संबंधी गलत एवं भ्रामक रिपोर्ट भेजी गई, जिससे वास्तविक स्थिति दबकर रह गई। लगातार उपेक्षा और आश्वासनों के बीच ग्राम ममदर घोड्डा निवासी भूतपूर्व सैनिक सतीश कुमार चतुर्वेदी ने स्वयं सडक़ की मरम्मत करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि जब जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधि ग्रामीणों की मूलभूत समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं दिखे, तब उन्होंने जनहित में स्वयं फावड़ा और गैंती उठाकर सडक़ सुधार कार्य शुरू करने का संकल्प लिया। सतीश कुमार चतुर्वेदी का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का विरोध या राजनीति नहीं बल्कि ग्रामीणों को राहत पहुंचाना है। उनका मानना है कि यदि प्रशासन समय रहते कार्रवाई करता, तो ग्रामीणों को स्वयं सडक़ मरम्मत का जिम्मा उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम केवल एक सडक़ की मरम्मत नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने वाला प्रयास है। अब क्षेत्र में चर्चा इस बात की है कि क्या प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस पहल के बाद गांव की मूलभूत समस्याओं की ओर गंभीरता से ध्यान देंगे।

विश्व हिन्दी रचनाकार मंच के सौजन्य से मातृशक्ति रत्न सम्मान समारोह एंव सबसे बड़ी है ...माँ .. पुस्तक का लोकार्पण 2026 देहरादून में सम्पन्न

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

» कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी मातृशक्ति रत्न से हुई सम्मानित..

जिला कटनी / मध्यप्रदेश के देहरादून में विभिन्न क्षेत्र की 111 मातृशक्ति रत्न सम्मान एंव सबसे बड़ी है माँ पुस्तक का लोकार्पण हुआ.. इसी संदर्भ मे कटनी जिले की 16 रचनाकार कवयित्री मातृशक्ति रत्न सम्मान समारोह आयोजित कार्यक्रम पुरानी कचहरी पर स्थित आंनदम क्लब के सभागार में मुख्य संयोजिका समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी के नेतृत्व पर आयोजित हुआ... समारोह का शुभारंभ विश्व हिन्दी रचनाकार मंच के संस्थापक एंव अध्यक्ष श्री राघवेन्द्र ठाकुर एंव कटनी जिले की प्रथम नागरिक महापौर आदरणीय प्रीतिसंजीव सूरी कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी लेखिका संघ अध्यक्ष डॉ ऊषा पांडेय ने की विशिष्ट अतिथ्य सुदर्शना क्लब मुख्य सूत्रधार समाजसेवी सुश्री मीरा भार्गव की प्रतिनिधित्व श्रीमति कांता भौमिया,वरिष्ठ सीनियर वयोवृद्ध मातृशक्ति शकुंतला पांडेय. वार्ड पार्षद श्रीमति शकुंतला सोनी सहित मंचासीन अतिथिगण द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ..तत्पश्चात शासकीय शिक्षिका श्रीमति उर्मिला साई प्रीत द्वारा मां सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत हुए मंचासीन अतिथिगण का स्वागत वंदन अभिनंदन कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी ,कटनी ईकाई सदस्य श्रीमति शशि शुक्ला,श्रीमति कल्पना चौरसिया ,श्रीमति मनीषा काम्बले ,शासकीय शिक्षिका श्रीमति टीना सिंह ,अधिवक्ता मांडवी पाण्डेय सहित अन्य कवियत्री ने रोली तिलक व बैंच ,मोतियों की माला एंव पगड़ी पहनाकर आत्मीय भव्य सम्मान किया. कार्यक्रम का सफल संचालन समाजसेवी श्रीमति रागनी मितल द्वारा किया गया .. सम्मान समारोह मे विश्व हिन्दी रचनाकार मंच के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक में कटनी जिले की 16 कवयित्री की रचनायें प्रकाशित हुई जिस का मुख्य उद्देश्य था की दुनिया में सबसे बड़ी है माँ एंव मातृशक्ति रत्न सम्मानित किया गया कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि राघवेन्द्र ठाकुर ने सभी मातृशक्तियों की अपने जीवन पथ पर हमेशा हंसते मुस्कुराते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया नगर-निगम महापौर प्रीतिसंजीव सूरी ने अपने विचार व्यक्त किए और सबसे कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी द्वारा आयोजित कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की और समस्त सम्मानित मातृशक्तियों को कटनी जिले को गौरवान्वित किया उसकी शुभकामनायें और सुखमय जीवन बनाए रखने की मंगल कामना की..

कार्यक्रम में सबसे बड़ी है माँ पर सुंदर सी प्रस्तुती श्रीमति लक्ष्मी रजक द्वारा दी गई कार्यक्रम में विशेष सराहनीय सहयोग समाजसेवी व पी एल वी सुश्री लता खरे ,अधिवक्ता पूनम रैदास,सुश्री सपना(भूमि) रैदास,सुश्री कृति रैदास सहित अन्य सम्मानित मातृशक्तियों की उपस्थिति रही कार्यक्रम कें अंत में सभी सम्मानित अतिथिगण एंव उपस्थित मातृशक्ति बच्चों को स्वल्पाहार वितरित किया गया कार्यक्रम दूर दराज से आये हुए सम्मानित गणमान्य अधिवक्ताओ और सम्मानित मातृशक्ति का आभार व्यक्त श्रीमति ऊषा नौगरिया ने किया

राजस्थान हाईकोर्ट : बैंक अधिकारी की रिट याचिका खारिज, सेवा समाप्ति आदेश को जायज और विधि सम्मत

लोकतंत्र की शान

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डा नूपुर भाटी ने बैंक अधिकारी की रिट याचिका खारिज करते हुए परीवीक्षा काल में अनाधिकृत अवकाश पर बिना विभागीय कार्रवाई किए सेवा समाप्ति आदेश को जायज और विधि सम्मत बताया है। याची ऋषि कुमार ने रिट याचिका दायर कर कहा कि उसकी नियुक्ति राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक अब राजस्थान ग्रामीण बैंक में श्रेणी तीन अधिकारी पद पर हुई थी और वर्ष 2023 में नौकरी से त्यागपत्र का आवेदन किया था लेकिन कुछ दिन अवकाश पर होने से बिना विभागीय कार्रवाई किए बैंक अध्यक्ष ने 6 फरवरी 2025 को उसकी सेवा समाप्त कर दी,जो कि गैर कानूनी होने से आदेश रद्द किया जाएं। राजस्थान ग्रामीण बैंक की ओर से अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि बैंक ने सेवा समाप्ति के साथ एक माह का वेतन याची के बैंक खाते में भेजा था,जिसे याची ने स्वैच्छिक रूप से निकाल लिया सो यह अवधारणा ली जानी चाहिए कि उसने अपनी सभी आपत्तियों का त्याग कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस्तीफा सशर्त होने तथा औपचारिकताएं पूर्ण नहीं होने के कारण स्वीकार नहीं किया गया और परीवीक्षा काल में अनाधिकृत रूप से 513 दिन अवकाश पर रहने से सेवा समाप्ति का आदेश दंडात्मक नहीं होकर सरल है। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डा नूपुर भाटी ने रिट याचिका खारिज करते हुए कहा कि याची को जयपुर पुलिस ने 25 जुलाई 2022 को डम्मी उम्मीदवार के तौर पर परीक्षा देते हुए गिरफ्तार किया था और दिल्ली पुलिस ने डम्मी उम्मीदवार के रूप में परीक्षा देते हुए 11 अगस्त 2024 को याची को गिरफ्तार किया और सवा दो माह तक जेल में रहा। उन्होंने कहा कि 17 जून 2022 को नौकरी करने से लेकर फरवरी 2025 तक 513 दिन अवकाश पर रहने से नियोक्ता उसके कामकाज के मूल्यांकन करने से वंचित रहें। उन्होंने कहा कि याची बैंक में श्रेणी तीन अधिकारी पद पर नियुक्त हुआ और जहां पर आम जन के रुपए जमा रहते है और यह अपेक्षा रहती है कि अधिकारी अनुशासनात्मक और ईमानदारी से कार्य करें और उनकी जनता के प्रति जवाबदेही भी होती है। उन्होंने कहा कि परीवीक्षा काल में कर्मचारी की कार्यक्षमता, आचरण, कर्तव्य के प्रति उसकी निष्ठा आदि की नियोक्ता द्वारा जांच की जाती है जो कि इस प्रकरण में लंबे अवकाश के कारण संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि मात्र इस्तीफे का आवेदन कर देने से कर्मचारी को यह अधिकार नहीं हो जाता है कि वह अनाधिकृत रूप से अवकाश पर रहें,जबकि उसे इस्तीफा स्वीकार होने तक बैंक में नियमित रूप से सेवा देनी थी। उन्होंने कहा कि बैंक की ओर से ड्यूटी पर आने के लिए याची को कई नोटिस दिए गए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्रवाई की चेतावनी,स्पष्टीकरण या तथ्यात्मक निष्कर्ष से सेवा समाप्ति के सरलीकृत आदेश को दंडात्मक आदेश नहीं माना जा सकता सो बिना विभागीय कार्रवाई के सेवा समाप्ति का आदेश प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन नहीं होकर पूर्णतया जायज और विधि सम्मत है।

देर रात : कैफे की आड़ में धुंए में उड़ रहे युवा, हुक्काबार पर पुलिस की रेड, दो दर्जन लोगों को पकड़ा

लोकतंत्र की शान

जोधपुर। शहर की प्रतापनगर पुलिस ने कैफे की आड़ में चल रहे हुक्का बार का पता लगाकर देर रात बड़ी कार्रवाई की। तकरीबन 24 लोगों को पकड़ा गया है। पुलिस ने कै फे से बड़ी मात्रा में कैफे से अवैध शराब और बीयर के न को बरामद किया है। दोपहर तक पुलिस की तरफ से अलग अलग धाराओं में संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही थी। पकड़े गए युवाओं के खिलाफ कोटपा में चालान बनाए गए है। पुलिस आयुक्तालय के एडीसीपी रविंद्र बोथरा को सूचना मिली कि प्रतापनगर थाना क्षेत्र में सीक्यू-3 कैफे आया है। यहां पर आने वाले युवकों को हुक्का का सेवन करवाया जाता है। इस पर पुलिस की टीम एडीसीपी बोथरा, थानाधिकारी भवानी सिंह मय जाब्ते के वहां पहुंची। पुलिस को देखकर एकबारगी वहां हुक्का पी रहे युवाओं में हडक़ंप वाली स्थिति बन गई। पुलिस ने युवकों को पकड़ा और वहीं पर बिठा दिया। पुलिस ने कैफे की तलाशी ली तब बड़ी मात्रा में अंगे्रजी शराब की महंगी बोतलें और बीयर केन्स मिले। इस पर पुलिस ने इसका अलग से प्रकरण बनाया है। मौके से पुलिस ने तकरीबन 24 लोगों को पकड़ा है। संचालक के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त समाचार

बलोचिस्तान में सीटीडी के अधिकारी दो व्यक्तियों को जबरन उठा ले गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में फर्जी मुठभेड़ करने के लिए कुख्यात आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) के अधिकारी विद्रोह की आग में सुलग रहे बलोचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती जिले की तहसील सुई से दो व्यक्तियों को जबरन उठा ले गए हैं। इनमें एक लेवी अधिकारी भी शामिल है। उसे हाल ही में पुलिस विभाग में स्थानांतरित किया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार जबरन उठाये गए पुलिस अधिकारी की पहचान सिराज उर्फ बागा पुत्र बाना बुगती के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति की पहचान गुल मोहम्मद, पुत्र जार खान हमजानी बुगती के रूप में हुई है। गुल मोहम्मद शिक्षा विभाग में चौकीदार है। इस वर्ष डेरा बुगती में ऐसी घटनाओं में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, 13 मई को हाजी अत्ताउल्लाह के 17 वर्षीय पुत्र शाहब बलोच को दोपहर करीब दो बजे वाशक जिले के नाग इलाके में स्थित उसके घर से उठा लिया गया है। वह मैट्रिक का छात्र है। 11 मई को मछुआरे अमीर बख्श के 18 वर्षीय पुत्र याह्या बलोच को ग्वादर के जिउनी पनवान इलाके में स्थित उसके घर से जबरन ले जाया गया। पाकिस्तान में सीटीडी को उर्दू में महकमा अंसदाद दहशतगर्दी कहा जाता है। सीटीडी पाकिस्तान की प्रांतीय पुलिस सेवा के अंतर्गत काम करता है। इसका मुख्य काम आतंकवाद से निपटना है। इसे असीमित अधिकार प्राप्त हैं। बलोचिस्तान में लोगों को जबरन गायब किया जाना गंभीर मुद्दा है। बलोच यकजेहती समिति और अन्य स्थानीय मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, केवल 2025 में 1,200 से अधिक लोगों को जबरन गायब किया गया। जनवरी 2026 में 82 लोग और फरवरी 2026 में 234 लोग लापता बताए गए। इनमें से कई को बाद में छोड़ दिया गया। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (का दावा है कि 6,000 से अधिक बलोच अभी भी लापता है।

अमेरिका में भारतीय मूल के युवक को हथियार तस्करी में 64 माह की जेल

वाशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल के जशनप्रीत सिंह को हथियारों की तस्करी और मशीनगन रखने के आरोप में 64 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। पंजाब निवासी 27 वर्षीय जशनप्रीत सिंह को पूरे पांच साल और चार महीने संघीय जेल में गुजारने होंगे। यह घोषणा अमेरिकी अटॉर्नी एरिक ग्रांट ने की। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की वेबसाइट पर जशनप्रीत को सजा सुनाने और उसके जुर्म का विवरण साझा किया गया है। विवरण के अनुसार

जशनप्रीत 'पंजाबी डेविल्स' मोटरसाइकिल क्लब का संस्थापक है। 'पंजाबी डेविल्स' को असल में हथियारों की तस्करी और "हेल्स एंजेल्स" से जुड़ा एक अपराधी गिरोह बताया गया है। 06 जून, 2025 को जशनप्रीत ने एक अंडरकवर अधिकारी को हथियार (असाल्ट हथियार, रिवॉल्वर, मशीनगन) बेचने की कोशिश की। इसके बाद उसके घर पर छापा मारा गया। तलाशी में और भी हथियार मिले। इनमें मशीन गन, मशीन गन कन्वर्जन डिवाइस और एक साइलेंसर शामिल हैं। अधिकारियों को एक अनानास शैली का कैप लगा और फ्यूज किया हुआ हैंड ग्रेनेड भी मिला। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ विभाग की बम टीम के विस्फोटक निरोधक दस्ते ने घटनास्थल पर ही इनको नष्ट किया। उसके खिलाफ मुकदमा दायर किया गया। पेशी की तारीख 21 जुलाई, 2025 घोषित की गई। वह इस पर हाजिर नहीं हुआ। तब अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह भूमिगत हो गया और 26 जुलाई को भारत भागने की कोशिश करते समय सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। इस मामले में सहायक यूएस अटॉर्नी एड्रियन टी. किंसलेला ने अभियोजन पक्ष का नेतृत्व किया।

यूपी में आंधी-बारिश से मौत का आंकड़ा 111 पहुंचा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। यूपी में बुधवार को आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राज्य में 111 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इन मौतों पर दुख जताया। उधर का देश का आधे से ज्यादा हिस्सा हीटवेव की चपेट में है। महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में गुरुवार को तापमान 40°C के पार दर्ज किया गया। महाराष्ट्र का अकोला 45.9°C के साथ देश में सबसे गर्म रहा। जलगांव, वर्धा और अमरावती में भी पारा 45°C के ऊपर दर्ज हुआ। राजस्थान के फलोदी में तापमान 45.2°C, जैसलमेर और बाड़मेर में 45.1°C रिकॉर्ड हुआ। श्रीगंगानगर में 44.8°C और जोधपुर में 44°C पारा रहा। जयपुर, बीकानेर और नागौर में दिनभर हीटवेव जैसे हालात रहने के बाद शाम को बारिश हुई। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इधर, यूपी में बांदा राज्य का सबसे गर्म जिला रहा। यहां तापमान 45.2°C रहा। इसके अलावा गुजरात का भावनगर 45.2°C और मध्य प्रदेश का खंडवा 44.5°C के साथ अपने राज्य के सबसे ज्यादा गर्म शहर थे।

मॉडल से साध्वी बनी हर्षानंद बोलीं- संत प्रवचन से रोक रहे

उज्जैन। मॉडल से साध्वी बनीं हर्षा रिछारिया उर्फ हर्षानंद गिरि एक बार फिर चर्चा में हैं। उज्जैन के लक्ष्मीपुर में सात दिवसीय देवी प्रवचन कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने कुछ संतों पर प्रवचन रोकने और समय कम करने की कोशिश का आरोप लगाया। हर्षानंद ने गुरुवार को मंच से कहा कि पिछले दो-तीन दिनों से उन्हें रोकने के प्रयास किए गए, लेकिन मां भगवती की कृपा से वे डटी रहीं। उन्होंने कहा, "जिस पर मां भगवती का आशीर्वाद हो, उसे कोई नहीं रोक सकता। किसी भी राक्षस में इतना सामर्थ्य नहीं कि वह धर्म के मार्ग को रोक सके।" कार्यक्रम के बाद जारी वीडियो में हर्षानंद ने आरोप दोहराते हुए कहा कि शुरुआती तीन दिन सब सामान्य रहा, लेकिन श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और महिलाओं की भागीदारी के बाद चौथे दिन से उनके प्रवचन का समय कम किया जाने लगा। उन्होंने दावा किया कि कुछ संत नहीं चाहते थे कि उनका प्रवचन लंबे समय तक चले। हर्षानंद ने कहा कि विरोध के बावजूद पंडाल दो बार बढ़ाना पड़ा और अंतिम दिनों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ नहीं थमी। उन्होंने इसे मां भगवती की इच्छा और नारी शक्ति का समर्थन बताया। उज्जैन से करीब 22 किमी दूर लक्ष्मीपुरा में 8 मई से 108 कुंडीय यज्ञ के दौरान हर्षानंद ने सात दिनों तक देवी प्रवचन किए। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। समापन कार्यक्रम में करणी सेना की ओर से युवतियों को तलवारें भी बांटी गईं। 101 तलवारें बांटने का लक्ष्य था, लेकिन उपलब्धता कम होने से हर्षानंद ने मंच से 11 युवतियों को तलवार सौंपी। इससे पहले उन्होंने युवतियों को 'लव जिहाद' से सतर्क रहने, परिवार और सनातन परंपरा के प्रति समर्पित रहने की शपथ दिलाई। साथ ही तलवारबाजी, घुड़सवारी और शस्त्र प्रशिक्षण सीखने की सलाह दी।

चारधाम यात्रा में 25 दिनों में 40 श्रद्धालुओं की मौत

देहरादून। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार रिकॉर्ड बना रही है। 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा में 13 मई तक 12 लाख 64 हजार 217 श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। लेकिन दूसरी ओर यात्रा के दौरान मौतों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (SEOC) की 14 मई सुबह 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार अब तक चारधाम यात्रा में 40 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा 22 मौतें केदारनाथ धाम में दर्ज की गई हैं। वहीं बद्रीनाथ में 7, यमुनोत्री में 6 और गंगोत्री में 5 श्रद्धालुओं की जान गई है। सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल तैयारियों का दावा कर रही है, लेकिन लगातार बढ़ते मौत के आंकड़े यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य चुनौतियों और हाई एल्टीट्यूड से जुड़ी परेशानियों की गंभीरता भी दिखा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अधिकांश मौतें हार्ट अटैक, हाई एल्टीट्यूड सिकनेस, हाइपरटेंशन और अन्य स्वास्थ्य कारणों से हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार चारधाम यात्रा में अब तक हुई अधिकांश मौतें स्वास्थ्य खराब होने, हार्ट अटैक और हाई एल्टीट्यूड सिकनेस जैसी समस्याओं के कारण हुई हैं। यात्रा मार्ग ऊंचाई वाले क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जहां ऑक्सीजन का स्तर कम होने और लगातार चढ़ाई की वजह से बुजुर्गों और पहले से बीमार यात्रियों की तबीयत बिगड़ने के मामले सामने आ रहे हैं।

आरजी कर कांड में ममता बनर्जी की भूमिका की भी होगी जांच : सीएम

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले में अब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच होगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नवान्न में इसकी घोषणा करते हुए इस मामले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पीड़िता की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आरजी कर कांड की फाइल दोबारा खोली जा रही है और उस समय जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों की भूमिका की विभागीय जांच होगी। जिन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है उनमें तत्कालीन कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी नॉर्थ अभिषेक गुप्ता और तत्कालीन डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखोपाध्याय शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री का पद संभालने के बाद उन्होंने मुख्य सचिव और गृह सचिव से आरजी कर मामले तथा उसके बाद की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रारंभिक प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को सही तरीके से हैंडल नहीं किया गया और प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर शुरुआती जांच तक कई स्तर पर गंभीर चूक हुई। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विभिन्न समाचार माध्यमों से यह जानकारी सामने आई थी कि पीड़िता की मां को राज्य सरकार की ओर से पैसे देने की कोशिश की गई थी। यह "एक प्रकार की घूस देने की कोशिश" थी और इसकी भी जांच की जाएगी। उस समय संबंधित अधिकारियों ने किन लोगों से बातचीत की, उनके कॉल रिकॉर्ड और व्हाट्सएप चैट की भी जांच होगी। यह भी देखा जाएगा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री या किसी मंत्री की ओर से कोई निर्देश दिया गया था या नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन अधिकारियों के खिलाफ आरोप हैं, उन्हें जांच प्रक्रिया से अलग रखकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से चल रही जांच में राज्य सरकार हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन राज्य पुलिस की भूमिका की अलग से समीक्षा की जाएगी। शुभेंदु अधिकारी ने तत्कालीन डीसी स्तर की एक महिला अधिकारी (इंदिरा मुखर्जी) की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उस समय उनकी शारीरिक भाषा और बयान राज्य के लिए सुखद नहीं थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आधिकारिक रूप से कोलकाता पुलिस या गृह विभाग की प्रवक्ता नहीं थीं, फिर भी सार्वजनिक रूप से लगातार बयान दे रही थीं। यह भी जांच का विषय होगा कि उन्हें किसके निर्देश पर मीडिया के सामने भेजा गया था।

गौरतलब है कि, अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद पूरे राज्य में भारी आक्रोश फैल गया था। जूनियर डॉक्टरों के लगातार आंदोलन और दबाव के बीच तत्कालीन पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को सितंबर, 2024 में कोलकाता पुलिस आयुक्त पद से हटाकर एसटीएफ में एडीजी बनाया गया था।

जम्मू-कश्मीर में शराबबंदी की मांग को लेकर बीजेपी का प्रदर्शन

एजेंसी, श्रीनगर

♦ कई नेता हिरासत में, सीएम अब्दुल्ला बोले- लोग अपनी मर्जी से पीते हैं

जम्मू-कश्मीर को 100 दिनों के भीतर नशा मुक्त बनाने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच रविवार को एक पत्रकार के सवाल पर मुख्यमंत्री के बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया। अब्दुल्ला ने कहा था कि लोग अपनी मर्जी से शराब का सेवन करते हैं। सरकार किसी को भी शराब की दुकानों पर जाने के लिए मजबूर नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा, ये दुकानें उन लोगों के लिए हैं जिनका धर्म उन्हें शराब पीने की इजाजत देता है। जम्मू-कश्मीर में अभी तक किसी भी सरकार ने इन दुकानों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। इसी मुद्दे पर श्रीनगर में शुक्रवार को BJP ने जम्मू-कश्मीर में शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास की ओर मार्च करने से रोक दिया।

शराबबंदी की मांग को लेकर नारेबाजी हुई: अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में बीजेपी नेता और कार्यकर्ता राम मुंशी बाग पार्क के पास इकट्ठा हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रास्ते में रोक दिया और कुछ नेताओं को हिरासत में लिया। बाद में पुलिस ने सभी BJP कार्यकर्ताओं को शांतिपूर्वक वहां से हटा दिया।

BJP बोली- श्रीनगर संतों और सूफियों की भूमि: जम्मू-कश्मीर बीजेपी के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा- बीजेपी कश्मीर में हर तरह के नशे के खिलाफ है। वे शराब का समर्थन कर रहे हैं। यह उन लोगों के लिए चेतावनी है, जो राजस्व के लिए शराब का समर्थन कर रहे हैं।

रामेश्वरम मंदिर में लड्डू घोटाला, छह कर्मचारी निलंबित

एजेंसी, रामनाथपुरम

♦ मुफ्त प्रसाद बेचकर 3.40 करोड़ की धोखाधड़ी

अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त वितरित किए जाने वाले लड्डू प्रसाद को अवैध रूप से बेचकर 3 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के मामले में मंदिर प्रशासन ने एक जूनियर असिस्टेंट सहित छह कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है।

मामले का खुलासा उस समय हुआ जब पिछले मार्च महीने में मंदिर के संयुक्त आयुक्त सेलत्तुरई ने लड्डू प्रसाद की तैयारी और आय-व्यय खातों की अचानक जांच कराई। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

प्राथमिक जांच में पता चला कि प्रसाद निर्माण और बिक्री के प्रभारी जूनियर असिस्टेंट के. पंचमूर्ति ने मुफ्त बांटे जाने वाले लड्डुओं की संख्या रिकॉर्ड में कम दिखाकर उन्हें स्टॉलों के माध्यम से अवैध रूप से बेच दिया। इसके जरिए बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया गया। इसके बाद संबंधित कर्मचारियों और अन्य स्टाफ से लगातार पूछताछ की गई। जांच में यह पुष्टि हुई कि जूनियर असिस्टेंट के. पंचमूर्ति के नेतृत्व में कर्मचारियों का एक समूह लंबे समय से इस घोटाले को अंजाम दे रहा था।

कोलकाता के राजा बाजार में सड़क पर जुमे की नमाज को लेकर हंगामा, पुलिस ने खाली करवाई सड़क

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के राजा बाजार इलाके में शुक्रवार को सड़क पर जुमे की नमाज पढ़ने को लेकर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस द्वारा सड़क खाली कराने की कोशिश के दौरान नमाजियों और पुलिसकर्मियों के बीच बहस और नारेबाजी हुई। बाद में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इलाके को खाली कराया गया और यातायात सामान्य किया गया।

जानकारी के अनुसार, राजा बाजार इलाके में वर्षों से सड़क पर जुमे की नमाज अदा की जाती रही है। हालांकि, राज्य की नई सरकार द्वारा सार्वजनिक सड़कों पर धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाने के आदेश के बाद शुक्रवार को पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से सड़क खाली करने को कहा। इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध शुरू कर दिया और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने पुलिस से धक्का-मुक्की करने की कोशिश की। इसके साथ ही नारे - तकबीर व अल्लाह - हू - अकबर के नारे लगाए।

हालात को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को तैनात किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पुलिस के मुताबिक, कोलकाता के अधिकांश इलाकों में मस्जिदों के भीतर शांतिपूर्ण ढंग से जुमे की नमाज अदा की गई और केवल राजा बाजार इलाके में विवाद की स्थिति बनी। बाद में पुलिस ने सड़क खाली कराकर यातायात सुचारु करा दिया। फिलहाल, इलाके में स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

इधर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक अर्जुन सिंह ने कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और लोगों को मस्जिदों में जाकर इबादत करनी चाहिए। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में लंबे समय से सड़क पर नमाज पढ़ने की परंपरा रही है।

पश्चिम बंगाल में तीन आईपीएस अधिकारी निलंबित, पुनः होगी आरजी कर मामले की जांच

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए तीन आईपीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नवान्न में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मामले की फाइल दोबारा खोली जाएगी और उस समय जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू होगी। निलंबित अधिकारियों में पूर्व कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) इंदिरा मुखोपाध्याय और तत्कालीन पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ) अभिषेक गुप्ता शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अधिकारियों पर कर्तव्य में लापरवाही और मामले को सही ढंग से नहीं संभालने के आरोप हैं।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने मुख्य सचिव और गृह सचिव से आरजी कर मामले और उससे जुड़ी घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। उन्होंने कहा कि जानकारी और तथ्यों की समीक्षा के बाद सरकार ने यह प्रशासनिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और शुरुआती कार्रवाई में गंभीर गड़बड़ियां हुई थीं। उन्होंने कहा कि विभिन्न समाचार माध्यमों से यह जानकारी भी सामने आई थी कि पीड़िता की मां को राज्य सरकार की ओर से पैसे देने की कोशिश की गई थी। इन आरोपों की भी जांच की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि, अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के समय विनीत गोयल कोलकाता पुलिस आयुक्त थे। घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन और जूनियर चिकित्सकों के आंदोलन के बीच उन्हें सितंबर, 2024 में पद से हटाकर विशेष कार्य बल में स्थानांतरित कर दिया गया था। वहीं, आईपीएस अभिषेक गुप्ता को भी जांच में कथित लापरवाही के आरोपों के बाद उनके पद से हटाया गया था। आईपीएस इंदिरा मुखोपाध्याय उस समय कोलकाता पुलिस के सेंट्रल डिवीजन की जिम्मेदारी संभाल रही थीं और घटना के बाद कई बार सार्वजनिक रूप से पुलिस का पक्ष रखती नजर आई थीं।

पंजाब के किसानों का चंडीगढ़ कूच, पुलिस से भिड़े, ट्रैक्टरों से बैरिकेडिंग तोड़ी

एजेंसी, चंडीगढ़

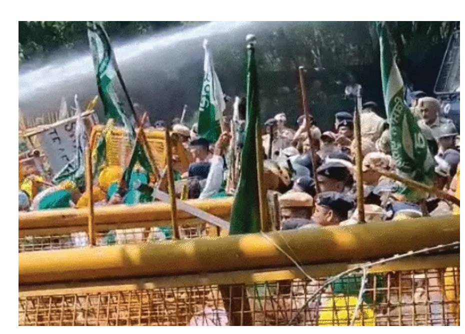

पंजाब के किसानों ने शुक्रवार (15 मई) को चंडीगढ़ कूच की कोशिश की। किसान विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिलने जा रहे थे। इसके लिए बड़ी संख्या में किसान मोहाली के YPS चौक पर जुटे, जहां से उनका चंडीगढ़ की ओर बढ़ने का कार्यक्रम था। किसानों के मार्च को देखते हुए पुलिस पहले से अलर्ट पर रही। पुलिस ने YPS चौक से चंडीगढ़ जाने वाले मुख्य रास्त को सील कर दिया। इसके अलावा सेक्टर-50 की ओर जाने वाली सड़क पर भी भारी बैरिकेडिंग की गई, क्योंकि यह रास्ता राज्यपाल के आसपास के इलाके की तरफ जाता है।

इसके बावजूद किसान सेक्टर-50 वाले मार्ग पर आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। मौके पर तनाव बढ़ गया और किसानों व पुलिस के बीच टकराव की स्थिति बन गई। किसानों ने ट्रैक्टरों के साथ लगी लोहे की चेन की मदद से बैरिकेडिंग उखाड़ दी और आगे बढ़ने का प्रयास किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें भी छोड़ीं। इसके बाद किसानों ने SSP कंवरदीप कौर के साथ बैठक की। बाद में पंजाब राज्य भवन से आए एक अधिकारी को किसानों ने मांग पत्र दिया।

किसान 'दरियाई पानी' (नदी के पानी) के बंटवारे को रिपेरियन सिद्धांत के अनुसार करने की मांग कर रहे हैं और 'पंजाब पुनर्गठन एक्ट' की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग कर रहे हैं वे केंद्र के प्रस्तावित 'बिजली संशोधन बिल 2025' और 'बीज कानून 2025' के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। लंबे समय से लंबित मांगों में सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की कानूनी गारंटी शामिल है। किसान सहकारी समितियों द्वारा रद्द की गई ऋण सीमाओं को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। वे धान के सीजन के दौरान फुल क्षमता में बिजली और नहर के पानी की आपूर्ति की मांग कर रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि, कांग्रेस बोली- चुनाव खत्म, वसूली शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगे हो गए हैं। प्रमुख शहरों में CNG भी 2 रुपए प्रति किलो तक महंगी हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। सरकार पर बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव के बीच आम लोगों पर बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 'महंगाई मैन' मोदी ने आज फिर जनता पर हंटर चलाया है। चुनाव खत्म हो गए हैं, मोदी की वसूली शुरू हो गई है। वहीं सपा के अखिलेश यादव ने एक कार्टून शेयर करते हुए लिखा कि हमने तो पहले ही कहा था कि साइकिल से बेहतर कुछ नहीं है।

राहुल गांधी: मोदी की गलती की कीमत जनता चुकाएगी- मोदी सरकार की गलती, कीमत जनता चुकाएगी। 3 का झटका तो पहले ही लग चुका है। बाकी की वसूली किस्तों में की जाएगी।

डेरेक ओब्रायन: वे वहीं चोट करते हैं, जहां सबसे ज्यादा दर्द हो- पहले वे आपके वोट लूटते हैं, फिर वे आपको वहीं चोट पहुंचाते हैं जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। क्या पश्चिम बंगाल में नई बनी BJP सरकार अब ईंधन पर VAT कम करेगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे: आर्थिक संकट की मुख्य वजह मोदी सरकार का नेतृत्व संकटः देश की जनता को यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय ईंधन संकट के साथ-साथ, इस समय भारत में आर्थिक संकट की मुख्य वजह मोदी सरकार का नेतृत्व संकट, दूरदृष्टि की कमी और भारी अक्षमता है।

दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्योंः सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही दिन, एक ही सेक्टर में उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन कुछ अलग हवाई किराया लेती है, जबकि दूसरी एयरलाइनल अलग किराया लेती है। इसे सही किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार यात्रियों को राहत दे। दरअसल जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर सुनवाई की। उनकी मांग है कि देश में मजबूत और स्वतंत्र रेगुलेटर बनाया जाए, जो एयरलाइनों के किराए और एक्स्ट्रा चार्जेस पर निगरानी रखे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बेंच से कहा- हवाई किराया 300% तक बढ़ जाता है। इस पर बेंच ने मजाक में कहा- वकीलों की फीस भी कई बार 400% तक बढ़ जाती है, अब क्या किया जाए।

याचिकाकर्ता का दावा- नियम पहले, पालन नहीं हो रहा: लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि एयरक्राफ्ट एक्ट 1937 के तहत नियम पहले से ही हैं लेकिन समस्या यह है कि पालन नहीं किया गया। जब तक नए नियम नहीं बन जाते, पुराने नियम जारी रहेंगे। साथ ही कहा गया है कि अगर DGCA को लगता है कि किसी खास स्थिति में, एयरलाइंस बहुत ज्यादा किराया वसूल रही हैं, तो वह निर्देश जारी करेगा। बेंच ने लक्ष्मीनारायण से केंद्र के फाइल किए गए काउंटर-एफिडेविट का जवाब देने का कहा। साथ ही सॉलिसिटर जनरल की नई व्यवस्था के तहत नियम बनाने के लिए कंसल्टेशन प्रोसेस चलने वाली बात रिकॉर्ड की।

30 अप्रैल की सुनवाई में सरकार को फटकार लगाई थी: इससे पहले 30 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने एक पिटीशन पर एफिडेविट फाइल न करने के लिए केंद्र की खिंचाई की थी, जिसमें भारत में प्राइवेट एयरलाइन्स के हवाई किराए और सहायक चार्ज में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को कंट्रोल करने के लिए रेगुलेटरी गाइडलाइंस की मांग की गई थी। कोर्ट ने केंद्र से एक एफिडेविट के साथ एक एप्लिकेशन फाइल करने को कहा था, जिसमें यह बताने के निर्देश दिए गए थे कि एफिडेविट फाइल क्यों नहीं किया गया है। इसके लिए और समय क्यों मांगा गया है।

नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण 2026- दोबारा परीक्षा 21 जून 2026- नीट परीक्षा 2027 से पूरी तरह कंप्यूटर आधारित -सवाल वही डिजिटल युग,पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था का संकटः क्या तकनीक से तेज हो गया है परीक्षा माफियाओं का नेटवर्क?

लोकतंत्र की शान

» भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नही, करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं

» "मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस" मॉडल अब तकनीक-संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है,जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपर्सोनेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का रूप ले चुके हैं -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत आज उस दौर से गुजर रहा है जहां एक ओर डिजिटल क्रांति ने शासन,प्रशासन,शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और नागरिक सुविधाओं को अभूतपूर्व गति दी है,वहीं दूसरी ओर इसी तकनीकी विस्तार ने साइबर अपराध,डेटा चोरी, डिजिटल धोखाधड़ी और संगठित परीक्षा माफियाओं को भी नई ताकत प्रदान कर दी है। आधुनिक तकनीक ने जीवन को आसान बनाया,लेकिन इसी तकनीक का दुरुपयोग व्यवस्था की विश्वसनीयता को चुनौती देने लगा है।विशेष रूप से शिक्षाक्षेत्र में तकनीक आधारित अपराधों ने जिस प्रकार प्रवेश किया है,उसने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं की साख तक को हिला दिया है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं।जब इन्हीं परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठने लगें, तब यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं रह जातीबल्कि राष्ट्रीय नैतिक संकट का रूप ले लेती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, वर्ष 2026 का नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण इसी गहराते संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। 3 मई 2026 को आयोजित हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को पेपर लीक और व्यापक अनियमितताओं के आरोपों के बाद रद्द करना पड़ा, सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है। 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों की महीनों की मेहनत, मानसिक तनाव और अभिभावकों की अपेक्षाएं अचानक अनिश्चितता में बदल गईं। पूरे देश में छात्रों के विरोध प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियानों और परीक्षा प्रणाली पर तीखे सवालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की परीक्षा व्यवस्था अब केवल प्रशासनिक सुधारों से नहीं, बल्कि संरचनात्मक परिवर्तन की मांग कर रही है। विडंबना यह है कि यह संकट ऐसे समय सामने आया, जब सरकार ने वर्ष 2024 में"पब्लिकएग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024" लागू किया था। इस कानून को आम भाषा में "एंटी पेपर लीक कानून" कहा जाने लगा। दावा किया गया था कि अब पेपर लीक जैसे अपराधों पर निर्णायक रोक लगेगी, दोषियों को कठोर दंड मिलेगा और परीक्षा प्रणाली अधिक सुरक्षित बनेगी। इस कानून के अंतर्गत संगठित नकल, प्रश्नपत्र लीक, डिजिटल हैकिंग, फर्जीवाड़ा और परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप जैसे अपराधों के लिए कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया था। लेकिन 2026 के नीट कांड ने यह दिखा दिया कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता; अपराधी नेटवर्क यदि तकनीकी रूप से अधिक उन्नत और संगठित हो जाएं, तो वे कानून की कमजोरियों और प्रशासनिक ढिलाई का आसान व सटीकता से रास्ता खोज लेते हैं। साथियों, आज का पेपरमाफिया पारंपरिक अपराधीनहीं रह गया है। यह एक अत्यंत संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से दक्ष नेटवर्क में बदल चुका है। इसमें शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग,कोचिंग नेटवर्क, साइबर अपराधी, डेटा ब्रोकर, स्थानीय एजेंटतकनीकी विशेषज्ञ और कई बार भ्रष्ट अधिकारी तक शामिल पाए जाते हैं। यही कारण है कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं केवल किसी एक राज्य या परीक्षा तक सीमित नहीं रह गईं। यह समस्या राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। तकनीक का उपयोग अब केवल पढ़ाई या ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो ईयरपीस, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग, डार्क वेब चैनल और डिजिटल भुगतान नेटवर्क के जरिए संगठित धोखाधड़ी को आसान व सटीकता से अंजाम दिया जा रहा है। साथियों, नीट-यूजी 2026 विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 15 मई 2026 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकाला जाएगा और किसी भी स्तर पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह बयान केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि उस जनआक्रोश का प्रतिबिंब था जो पूरे देश में दिखाई दे रहा था। सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है।नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण बदलाव घोषित किए गए। छात्रों को परीक्षा केंद्र शहर बदलने की सुविधा देने का निर्णय लिया गया ताकि जिन क्षेत्रों में अनियमितताओं की आशंका रही, वहां के विद्यार्थी अपनी पसंद के शहर में परीक्षा दे सकें। एडमिट कार्ड 14 जून तक जारी करने की घोषणा की गई और दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक परीक्षा समय निर्धारित किया गया, जिसमें अतिरिक्त 15 मिनट का समय भी जोड़ा गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दोबारा परीक्षा के लिए छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह निर्णय छात्रों के मानसिक और आर्थिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया। लेकिन वास्तविक प्रश्न केवल पुनर्परीक्षा का नहीं है। बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या भारत की पारंपरिक पेन-एंड-पेपर परीक्षा प्रणाली अब अप्रासंगिक हो चुकी है? क्या परीक्षा माफिया तकनीकी रूप से प्रशासन से आगे निकल चुके हैं? और क्या केवल सीबीटी मोड में परिवर्तन से यह समस्या समाप्त हो जाएगी? साथियों, इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए हमें भारत की परीक्षा संस्कृति और उसके सामाजिक-आर्थिक दबावों को समझना होगा। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल अकादमिक प्रक्रिया नहीं हैं। मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रवेश को सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सुरक्षा और पारिवारिक सम्मान से जोड़ दिया गया है। लाखों परिवार अपनी पूरी बचत कोचिंग, हॉस्टल और अध्ययन सामग्री पर खर्च करते हैं। कई विद्यार्थी वर्षों तक ड्रॉप लेकर तैयारी करते हैं। ऐसी स्थिति में जब सफलता का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब अवैध रास्तों का आकर्षण भी बढ़ने लगता है। यही वह जमीन है जहां परीक्षा माफिया अपना नेटवर्क तैयार करते हैं। साथियों, यहां 2003 में रिलीज हुई प्रसिद्ध फिल्म मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस का संदर्भ अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। उस समय दर्शकों ने फिल्म को एक मनोरंजक कॉमेडी-ड्रामा के रूप में देखा था, जिसमें मेडिकल शिक्षा व्यवस्था की खामियों और फर्जी प्रवेश संस्कृति पर व्यंग्य किया गया था। लेकिन आज वास्तविक जीवन में जो घटनाएं सामने आ रही हैं,उन्होंने यह एहसास करा दिया है कि वह केवल फिल्मी कल्पना नहीं थी। "मुन्ना भाई" मॉडल अब तकनीक-संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है, जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपर्सोनेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का उच्च स्तरीय रूप ले चुके हैं।

साथियों साइबर अपराध और परीक्षा प्रणाली के इस गठजोड़ ने प्रशासन के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पहले प्रश्नपत्र प्रिंटिंग प्रेस या परिवहन के दौरान लीक होते थे, लेकिन अब डिजिटल सर्वर, एन्क्रिप्टेड डेटा ट्रांसफर और नेटवर्क सुरक्षा भी जोखिम में हैं। यदि परीक्षा डेटा का प्रबंधन पर्याप्त साइबर सुरक्षा के साथ न किया जाए, तो हैकिंग, डेटा चोरी और अंदरूनी मिलीभगत के जरिए पूरी प्रणाली प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि विशेषज्ञ केवल कानूनी सख्ती नहीं, बल्कि साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन पर भी सटीकता से जोर दे रहे हैं। साथियों, भारत में सीबीटी यानी कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को भविष्य कासमाधान माना जा रहा है। दुनिया के कई विकसित देशों में बड़े पैमाने की प्रवेश परीक्षाएं डिजिटल माध्यम से आयोजित होती हैं। इससे प्रश्नपत्र वितरण, परिवहन और प्रिंटिंग से जुड़े जोखिम कम हो जाते हैं। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए प्रश्नों का क्रम बदलना, अलग-अलग सेट बनाना और रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो जाती है। एआई आधारित निगरानी, फेस रिकग्निशन और डिजिटल लॉगिंग जैसी तकनीकें परीक्षा पारदर्शिता को मजबूत बना सकती हैं। भारत में भी बैंकिंग, प्रबंधन और सरकारी भर्ती की अनेक परीक्षाएं पहले से सीबीटी मोड में सफलता पूर्वक आयोजित हो रही हैं।हालांकि केवल सीबीटी मोड अपनाना अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। डिजिटल परीक्षा प्रणाली के अपने खतरे भी हैं। यदि साइबर सुरक्षा कमजोर रही, तो सर्वर हैकिंग, रिमोट एक्सेस, सॉफ्टवेयर मैनिपुलेशन और डेटा टैंपरिंग जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में इंटरनेट और कंप्यूटर सुविधाओं की असमानता भी एक बड़ी चुनौती है। भारत जैसे विशाल देश में करोड़ों छात्रों के लिए समान डिजिटल अवसंरचना उपलब्ध कराना आसान नहीं होगा। इसलिए सीबीटी प्रणाली के साथ साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी पारदर्शिता को समान प्राथमिकता देनी होगी। नीट विवाद ने एक और गंभीर प्रश्न खड़ा किया है क्या परीक्षा आधारित शिक्षा मॉडल स्वयं संकट में है? आज पूरी शिक्षा व्यवस्था अंक, रैंक और कटऑफ की होड़ में बदल चुकी है। छात्रों पर मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। कोचिंग उद्योग अरबों रुपये का व्यवसाय बन चुका है। जब सफलता को केवल परीक्षा परिणामों से मापा जाता है, तब नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल परीक्षा सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक बहुआयामी, कौशल आधारित और मानसिक स्वास्थ्य के अनुकूल बनाना होगा। साथियों, इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। एक्स, यूट्यूब, टेलीग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर छात्रों ने अपनी आवाज बुलंद की। लाखों पोस्ट, वीडियो और लाइव चर्चाओं ने सरकार पर दबाव बनाया। यह डिजिटल लोकतंत्र की शक्ति भी है और चुनौती भी। जहां एक ओर सोशल मीडिया पारदर्शिता और जनदबाव का माध्यम बना, वहीं दूसरी ओर अफवाहें, फर्जी दस्तावेज और भ्रामक सूचनाएं भी तेजी से फैलीं। इसलिए डिजिटल युग में सूचना प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है जितना परीक्षा प्रबंधन।केंद्रीय जांच ब्यूरो को जांच सौंपे जाने के बाद कई गिरफ्तारियां हुई हैं और जांच एजेंसियां सक्रिय रूप से नेटवर्क की परतें खोल रही हैं। लेकिन यह केवल कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी का मामला नहीं है। यह उस व्यापक समानांतर व्यवस्था को समाप्त करने की चुनौती है जो शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों का फायदा उठाकर फल-फूल रही है। यदि समाज, प्रशासन, शिक्षा संस्थान और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर दीर्घकालिक सुधार नहीं करेंगे, तो हर नया कानून कुछ समय बाद अप्रभावी साबित हो सकता है। साथियों, वास्तव में, "पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024" की विफलता का अर्थ यह नहीं है कि कानून अनावश्यक था,बल्कि यह दर्शाता है कि कानून के साथ मजबूत क्रियान्वयन, तकनीकी क्षमता, जवाबदेही और संस्थागत ईमानदारी भी आवश्यक है। किसी भी कानून की सफलता उसके लागू होने की दक्षता पर निर्भर करती है। यदि परीक्षा संचालन में शामिल तंत्र पारदर्शी और जवाबदेह न हो, तो सबसे कठोर कानून भी कागज तक सीमित रह जाते हैं।आज भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर दुनिया की सबसे युवा आबादी, डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षमता है; दूसरी ओर शिक्षा व्यवस्था में बढ़ता अविश्वास, साइबर अपराध और परीक्षामाफियाओं का खतरा है। यदि भारत को वैश्विक ज्ञान शक्ति बनना है, तो उसे अपनी परीक्षा प्रणाली को विश्वसनीय, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाना ही होगा। नीट-यूजी 2026 विवाद केवल एक परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि उस भरोसे की परीक्षा है जिस पर भारत का भविष्य टिका हुआ है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के यह समय केवल दोषियों को पकड़ने का नहीं, बल्कि पूरी प्रणाली का पुनर्निर्माण करने का है। कानून, तकनीक, नैतिक शिक्षा,साइबर सुरक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और सामाजिक मानसिकता इन सभी स्तरों पर व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो हर नई तकनीक अपराधियों के लिए नया हथियार बनती जाएगी। लेकिन यदि भारत इस संकट से सीख लेकर शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और सुरक्षित बना लेता है, तो यही संकट भविष्य के सुधारों की ऐतिहासिक शुरुआत भी सिद्ध हो सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9226229318

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

लेखक-कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं। यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे "विफलता" नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं। कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा। कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए।

ज्ञान, विज्ञान और मानवता का प्रकाश

लेखक-सुनील कुमार महला

हर वर्ष 16 मई को अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस मनाया जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति, ऊर्जा, चिकित्सा, संचार जैसे क्षेत्रों में और देश व समाज के सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के क्रम में प्रकाश के महत्व को समझाने और प्रकाश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल मनाया जाता है। वास्तव में प्रकाश से तात्पर्य केवल और केवल भौतिक रोशनी से नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, जागरूकता, आशा, नवाचार और मानव प्रगति का प्रतीक भी है। धर्म, भाषा और सीमाओं से परे प्रकाश सार्वभौमिक(यूनिवर्सल) है तथा कला से लेकर दर्शन तक इसे सदैव ज्ञान और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में देखा गया है। सच तो यह है कि आधुनिक जीवन की रीढ़ ही प्रकाश है और बिना प्रकाश विज्ञान के आज डिजिटल इंडिया, वैश्विक कनेक्टिविटी तथा आधुनिक तकनीक की कल्पना भी संभव नहीं है। वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि यानी लेज़र के सफल संचालन का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह मानवता के अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा का भी प्रतीक है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिवस विज्ञान और मानवता के बीच एक सेतु का कार्य करता है तथा हमें ज्ञान, विज्ञान और सकारात्मक सोच का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है। पाठक जानते होंगे कि भारतीय संस्कृति में भी प्रकाश को अत्यंत पवित्र और ज्ञानदायी माना गया है। उपनिषदों का प्रसिद्ध मंत्र तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् हे प्रभु! हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो के बारे में आखिर कौन है जो नहीं जानते ? प्रकाश केवल बाहरी अंधकार से उजाले की ही बात नहीं करता है, बल्कि यह मनुष्य के अज्ञान, भय, भ्रम और नकारात्मकता से ज्ञान, सत्य और सकारात्मकता की ओर लगातार बढ़ने का संदेश देता है और आज के समय में तो यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। हमारे यहां दिवाली प्रकाश का सबसे बड़ा त्योहार है, जबकि लोक संस्कृति में लालटेन उत्सव भी उजाले, आशा और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक माना जाता है। इतना ही नहीं, सामाजिक जीवन में शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों का प्रकाश समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के मुख्य उद्देश्यों की बात करें तो, अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस का मुख्य उद्देश्य प्रकाश विज्ञान और ऑप्टिकल तकनीकों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विज्ञान और तकनीक को समाज के विकास से जोड़ना, ऊर्जा, स्वास्थ्य, इंटरनेट और संचार में प्रकाश आधारित तकनीकों के योगदान को रेखांकित करना, युवाओं को विज्ञान एवं अनुसंधान के प्रति प्रेरित करना तथा देशों के बीच वैज्ञानिक सहयोग और शांति को बढ़ावा देना है। यूनेस्को के अनुसार यह दिवस विज्ञान, संस्कृति, कला, शिक्षा और सतत विकास में प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। वास्तव में यह दिवस इस बात की याद दिलाता है कि विज्ञान और तकनीक का सही उपयोग मानव कल्याण, शांति और सतत विकास के लिए कितना आवश्यक है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि पहली बार यह दिवस 16 मई 2018 को मनाया गया था। 16 मई 1960 को अमेरिकी वैज्ञानिक थियोडोर मैमन ने पहली बार सफलतापूर्वक लेज़र का संचालन किया था और इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस के रूप में चुना गया। सरल शब्दों में कहें तो यह दिन भौतिक विज्ञानी और इंजीनियर थियोडोर मैमन द्वारा लेज़र के पहले सफल संचालन की वर्षगांठ का प्रतीक है। गौरतलब है कि लेज़र का आविष्कार चिकित्सा, संचार और तकनीक के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी मोड़ साबित हुआ तथा वर्ष 2015 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रकाश एवं प्रकाश-आधारित प्रौद्योगिकी वर्ष घोषित किया गया था तथा इसके बाद वर्ष 2017 में यूनेस्को ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस घोषित किया। अन्य दिवसों की भांति हर वर्ष इस दिवस की भी एक विशेष थीम/विषय-वस्तु रखी जाती है।इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम प्रकाश, विज्ञान और समाज : नवाचार और प्रभाव को आगे बढ़ाना रखी गई है। यह थीम समाज में विज्ञान और प्रकाश आधारित तकनीकों के सकारात्मक प्रभाव को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। वहीं वर्ष 2025 की थीम सतत भविष्य के लिए प्रकाश रखी गई थी, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि प्रकाश आधारित तकनीकें सौर ऊर्जा और ऊर्जा-कुशल लाइटिंग के माध्यम से वैश्विक ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन से निपटने में कैसे मदद कर सकती हैं। बहरहाल, यदि हम यहां पर प्रकाश की बात करें तो वास्तव में प्रकाश एक प्रकार की ऊर्जा है, जो हमें वस्तुओं को देखने में सक्षम बनाती है। यह विद्युतचुंबकीय तरंगों(इलैक्ट्रोमैग्नेटिक वेब्स) के रूप में यात्रा करता है तथा सूर्य इसका(प्रकाश) सबसे बड़ा प्राकृतिक स्रोत है। सरल शब्दों में कहें तो जब किसी वस्तु से निकलने वाली रोशनी हमारी आंखों तक पहुंचती है, तब हम उस वस्तु को देख पाते हैं। प्रकाश की प्रमुख विशेषताओं में यह शामिल है कि प्रकाश सीधी रेखा में चलता है, तथा इसकी गति लगभग 3 लाख किलोमीटर प्रति सेकंड होती है। इतना ही नहीं, यह निर्वात यानी वैक्यूम में भी यात्रा कर सकता है। परावर्तन और अपवर्तन इसके(प्रकाश के) महत्वपूर्ण गुण हैं तथा इन्हीं के कारण हमें रंग दिखाई देते हैं। प्रकाश के प्राकृतिक स्रोतों में सूर्य, तारे, जुगनू और बिजली की चमक शामिल हैं, जबकि बल्ब, मोमबत्ती, ट्यूबलाइट, टॉर्च और एलईडी इसके कृत्रिम स्रोत हैं। प्रकाश न केवल देखने के लिए आवश्यक है, बल्कि पौधों में प्रकाश संश्लेषण के लिए भी अत्यंत जरूरी है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 8 मिनट 20 सेकंड लेता है तथा इंद्रधनुष प्रकाश के सात रंगों से बनता है। लेज़र भी प्रकाश का एक विशेष रूप है। आज के समय में प्रकाश आधुनिक जीवन की आधारशिला बन चुका है। सच तो यह है कि बिना प्रकाश विज्ञान के आज का हाई-स्पीड इंटरनेट संभव नहीं हो सकता है। दरअसल, फाइबर ऑप्टिक केबलों में प्रकाश संकेतों के जरिए इंटरनेट चलता है और यही आधुनिक वैश्विक संचार प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत है।सरल शब्दों में कहें तो इंटरनेट भी एक प्रकार से प्रकाश की देन है। आज के समय में चिकित्सा क्षेत्र में लेज़र सर्जरी, आंखों के ऑपरेशन, कैंसर के इलाज और एक्स-रे जैसी तकनीकों में प्रकाश आधारित विज्ञान का उपयोग जीवनरक्षक उपकरण के रूप में हो रहा है। यहां तक कि अंतरिक्ष अनुसंधान, उपग्रह संचार और वैज्ञानिक खोजों में भी प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि क्षेत्र में विशेष एलईडी प्रकाश आधुनिक खेती और ग्रीनहाउस तकनीकों में पौधों की वृद्धि के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इतना ही नहीं, ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रकाश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कहना ग़लत नहीं होगा कि सौर ऊर्जा आज स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की सबसे बड़ी आशा बन चुकी है। एलईडी जैसी ऊर्जा-कुशल तकनीकें बिजली की बचत और पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं। वास्तव में, आज प्रकाश आधारित तकनीकें संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

दवा नहीं, जहर का कारोबारः भारत की साख पर संकट

लेखक- ललित गर्ग

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड" कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए फ्रांस की टीम घोषित

एमबाप्पे कप्तानी करेंगे, फॉरवर्ड लाइन में डेम्बेले और डौए जैसे नाम

पेरिस(एजेंसी)। साल 2022 की फाइनलिस्ट फ्रांस ने 11 जून से शुरू हो रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। पिछले फाइनल में 3 गोल दागने वाले किलियन एम्बाप्पे को इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने दमदार फॉरवर्ड लाइन तैयार किया है। इसमें एमबाप्पे के अलावा, बैलोन डीओर विजेता ओस्मान डेम्बेले और युवा स्टार डेसिरे डौए जैसे

नाम है। 2018 की चैंपियन और 2022 की उपविजेता फ्रांस इस बार तीसरा वर्ल्ड कप जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। 2022 में फाइनल हराने के बाद एम्बाप्पे निराश होकर मैदान पर बैठ गए। फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों उन्हें समझाने पहुंचे थे।

फारवर्ड लाइन में अनुभव और युवाओं का मिश्रण फ्रांस का फॉरवर्ड लाइनअप इस समय दुनिया में सबसे मजबूत नजर आ रहा है। टीम में सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के साथ बैलोन डी ओर विजेता ओस्मान डेम्बेले, उभरते हुए सितारे डेसिरे डौए, माइकल ओलिसे, रेयान चेर्की, ब्रैडली बारकोला और मैग्नेस अक्लिओचे शामिल हैं। यह आक्रमण पंक्ति किसी भी विरोधी रक्षापंक्ति को ध्वस्त करने का माद्दा रखती है। रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर एडुआर्डो कामाविंगा का नाम सूची से गायब होना सबसे बड़ा सरप्राइज है।

रिसर को घरेलू प्रदर्शन का इनाम

घरेलू लीग (लेंस) के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा गोलकीपर रॉबिन रिसर को पहली बार विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। रिसर ने इस सप्ताह की शुरुआत में ही सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता था। उन्हें मुख्य गोलकीपर माइक मैगनन और ब्राइस सांबा के बाद तीसरे गोलकीपर के विकल्प के रूप में शामिल किया गया है। टीम में चुने जाने पर रिसर ने भावुक होकर कहा, 'यह मेरा एक सपना था, यह अविश्वसनीय है और मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

आईपीएल का गणित
मुंबई ने पंजाब का खेल बिगाड़ा

● प्लेऑफ के लिए दोनों मैच जीतने होंगे; चेन्नई के लिए हर मुकाबला करो या मरो जैसा

धर्मशाला (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में 58 मैच पूरे हो चुके हैं। गुरुवार को मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को हराकर प्लेऑफ की रेस रोमांचक बना दी। हार के बाद पंजाब चौथे स्थान पर है। टीम के 12 मैचों में 13 पॉइंट्स हैं और प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे बचे दोनों मैच जीतने होंगे। दूसरी ओर मुंबई पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है, लेकिन उसने पंजाब का समीकरण बिगाड़ दिया। मुंबई के 12 मैचों में 8 पॉइंट्स हैं और टीम नौवें स्थान पर है। इकाना स्टेडियम में आज चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जीत जरूरी है। टीम का सामना टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी लखनऊ से होगा।

पंजाब लगातार 5वां मैच हारी

पंजाब किंग्स लगातार पांचवीं हार के बाद मुश्किल में पड़ गई है। टीम ने सीजन की शुरुआत 6 जीत से की थी। प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए उसे अब दोनों मुकाबले जीतने होंगे। पंजाब के अगले मैच बेंगलुरु और लखनऊ से हैं। मुंबई इंडियंस ने सीजन की चौथी जीत दर्ज की। टीम के अगले मुकाबले कोलकाता और राजस्थान से हैं।

● **चेन्नई के लिए हर मैच अहम–** चेन्नई सुपर किंग्स आज लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उतरेगी। टीम लगातार 3 मैच जीतकर पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है। चेन्नई के 11 मैचों में 12 पॉइंट्स हैं। प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए सीएसके को अपने तीनों मैच जीतने होंगे। टीम के मुकाबले लखनऊ, हैदराबाद और गुजरात से हैं। अगला मैच हारने पर उसकी राह मुश्किल हो जाएगी।

● **हैदराबाद तीसरे स्थान पर पहुंची–** पंजाब की हार का फायदा सनराइजर्स हैदराबाद को मिला है। टीम 14 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। उसका नेट रनरेट +0.331 है। हैदराबाद को अब चेन्नई और बेंगलुरु से खेलना है। प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की करने के लिए टीम को कम से कम एक जीत चाहिए।

● **बेंगलुरु-गुजरात मजबूत स्थिति में–** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस 16-16 पॉइंट्स के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। दोनों टीमों का प्लेऑफ खेलना लगभग तय माना जा रहा है। टीमों को अब एक-एक जीत की जरूरत है। आरसीबी का नेट रनरेट (+1.053) लीग में सबसे बेहतर है। बेंगलुरु के मुकाबले पंजाब और हैदराबाद से हैं, जबकि गुजरात को कोलकाता और चेन्नई से खेलना है।

● **राजस्थान अब भी रेस में–** राजस्थान रॉयल्स 12 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। हालांकि टीम पिछले 7 में से 5 मुकाबले हार चुकी है। राजस्थान को अब दिल्ली, लखनऊ और मुंबई से खेलना है। टॉप-4 में पहुंचने के लिए उसे तीनों मैच जीतने होंगे।

पंजाब लगातार 5वां मैच हारी, मुंबई 6 विकेट से जीती

तिलक ने नाबाद 75 रन

मुंबई इंडियंस ने रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। आखिरी ओवर में टीम को 15 रन चाहिए थे, जिसे उसने 1 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। जीत के हीरो तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने 33 गेंदों में नाबाद 75 रन बनाए। पंजाब की यह लगातार 5वीं हार रही। गुरुवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.5 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

रवि शास्त्री ने सैमसन को कप्तान बनाने की पैरवी की

● कहा- संजू 2028 टी-20 वर्ल्डकप के लिए कैप्टेंसी के विकल्प हो सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन को भविष्य में भारत की टी-20 टीम का कप्तान बनाने की पैरवी की है। उनका मानना है कि सैमसन कप्तानी के मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। शास्त्री के अनुसार हाल के दिनों में सैमसन ने जिस तरह की मैच्योरिटी दिखाई है, वह उन्हें लीडरशिप रोल के लिए परफेक्ट बनाती है।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में अपनी कप्तानी में भारत को वर्ल्ड कप जिताया था, लेकिन 2028 के टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए संजू बड़ा विकल्प हो सकते हैं। फिलहाल, सूर्यकुमार यादव भारतीय टी-20 टीम के कप्तान हैं। उन्होंने 8 मार्च 2026 को अहमदाबाद में भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया था।

दबाव में निखर रहे हैं संजू

31 साल के सैमसन ने इस वर्ल्ड कप अभियान में लगातार तीन अर्धशतक जड़े थे। शास्त्री ने कहा- अगले दो-तीन सालों में आप संजू का एक अलग ही रूप देखेंगे। जिस तरह की मैच्योरिटी उन्होंने आईपीएल और इंटरनेशनल लेवल पर दिखाई है, उससे वह कप्तानी के लिए मेरी नजर में स्पष्ट उम्मीदवार हैं। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के 5 मैचों में 321 रन बनाए थे।

क्यों संजू हैं पहली पसंद?

● **कप्तानी का अनुभव–** संजू पिछले पांच सीजन से आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे हैं। वह 2022 में टीम को फाइनल तक ले जा चुके हैं।

● **वर्ल्ड कप में प्रदर्शन–** सैमसन को टी–20 वर्ल्ड कप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। उन्होंने क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में भारत को जीत के करीब पहुँचाया।

● **कंसिस्टेंट परफॉर्मेंस–** शास्त्री ने कहा– संजू की काबिलियत पर कभी शक नहीं था, लेकिन अब उन्होंने अपनी कंसिस्टेंसी से सभी सवालों पर विराम लगा दिया है। अब वे टॉप ऑर्डर में स्थायी जगह बना चुके हैं।

व्यापार

पीएसयू नेट प्रॉफिट 172 प्रतिशत बढ़ा फिर 8 प्रतिशत गिरा स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले पीएसयू स्टॉक हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कारपोरेशन के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। यह गिरावट ऐसे समय में दर्ज की गई है जब कंपनी का नेट प्रॉफिट बढ़ा है। वहीं, बीते दो दिनों से बाजार की स्थिति भी अच्छी है। अब सवाल है कि आखिर कौन सी बात निवेशकों को खटक रही है। जानकारी में कहा है कि चौथी तिमाही के दौरान कुल 1981 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 728 करोड़ रुपये रहा था। नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 172 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कंपनी के नेट प्रॉफिट में इजाफे की वजह डेफर्ड टैक्स क्रेडिट है। जोकि 1300 करोड़ रुपये रहा है। बता दें, कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान से पहले) 39 प्रतिशत की गिरावट के बाद 621 करोड़ रुपये रहा है। ऑपरेशनल रेवन्यू 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3563 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। एक साल पहले इसी क्वार्टर के दौरान कंपनी का रेवन्यू 2845 करोड़ रुपये रहा था। इंटरेस्ट इनकम में साल दर साल के आधार पर 26 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

सिल्वर मार्केट में हलचल, 10 % गिरते ही रोकनी पड़ी ट्रेडिंग, थाईलैंड से लेकर भारत तक कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में 15 मई 2026 को चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में हलचल मच गई। अचानक आई तेज गिरावट और बढ़ी हुई वोलैटिलिटी के चलते थाईलैंड के डेरिवेटिव एक्सचेंज थाईलैंड फ्यूचर्स एक्सचेंज को सिल्वर फ्यूचर्स ट्रेडिंग अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी।

सिल्वर फ्यूचर्स का प्राइस लेटेस्ट सेटलमेंट से 10त्न नीचे चला गया था, जिसके बाद जोखिम नियंत्रण के तहत ट्रेडिंग रोक दी गई और बाद में प्री-ओपन सेशन के बाद बाजार दोबारा शुरू किया गया। एक्सचेंज ने डेली प्राइस लिमिट को भी ह्20त्न तक बढ़ा दिया ताकि अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जा सके।

भारतीय बाजार पर भी दिखा असर इस ग्लोबल दबाव का असर भारतीय बाजार पर भी दिखा, जहां स्ब्ङ्क पर चांदी की कीमतों में लगभग ?9,000 से ?10,000 प्रति किलो तक की तेज गिरावट दर्ज की गई। कुछ इंट्राडे ट्रेडिंग में कीमतें ?2,81,000 प्रति किलो के आसपास तक फिसल गईं, जिससे निवेशकों में घबराहट देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी पर दबाव के पीछे कई कारण हैं। मजबूत अमेरिकी डॉलर, ट्रेजरी यील्ड्स में तेजी और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता ने कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा दिया है। ऊंची बॉन्ड यील्ड्स के कारण निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे गोल्ड और सिल्वर जैसी धातुओं की मांग प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी में 4त्न से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोने में भी हल्की कमजोरी देखने को मिली। हालांकि चांदी में गिरावट ज्यादा तेज रही क्योंकि यह न सिर्फ निवेश बल्कि इंडस्ट्रियल डिमांड पर भी निर्भर करती है। चांदी का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और ऑटो सेक्टर में बड़े पैमाने पर होता है, ऐसे में आर्थिक ग्रोथ को लेकर चिंता बढ़ने पर इसकी मांग दोहरी मार झेलती है। इसके अलावा फ्यूचर्स मार्केट में स्पेक्युलेटिव ट्रेडिंग की वजह से भी कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। विश्लेषकों का मानना है कि यह घटना वैश्विक कमोडिटी बाजार में बढ़ती अस्थिरता का संकेत है, जिसका असर आगे चलकर ज्वेलरी सेक्टर, सिल्वर ईटीएफ और अन्य निवेश उत्पादों पर भी देखने को मिल सकता है।

रुपए में बड़ी गिरावट, डॉलर के मुकाबले नए लो लेवल पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपया 30 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर चिंताओं से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि तेल की कीमतों में तेजी के बीच डॉलर की खरीदारी जारी रहने के कारण रुपया दबाव में है और यह 96 के निशान के बहुत करीब बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.86 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 तक टूट गया जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक कमजोर हुआ। हालांकि, अंत में दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.64 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.05 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 239.14 अंक चढ़कर 75,637.86 अंक पर जबकि निफ्टी 78.30 अंक की बढ़त के साथ 23,767.90 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को शुद्ध लिवाल रहे थे और उन्होंने 187.46 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

सौर ऊर्जा अनुबंध पाने के लिए रिश्वत देने की साजिश रची

गौतम अडानी छह लाख डॉलर, सागर अडानी 1.2 करोड़ डॉलर का भरेंगे जुर्माना, मुकदमे का निपटारा करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग ने भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के जुर्माना देने पर राजी होने के

बाद उनसे जुड़े मुकदमे का निपटारा करने पर सहमति जताई है। अदालत के बृहस्पतिवार को जारी दस्तावेजों से यह जानकारी मिली। मामले के अनुसार अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि गौतम अडानी और अन्य ने भारतीय अधिकारियों को सौर ऊर्जा अनुबंध पाने के लिए रिश्वत देने की साजिश रची और अमेरिकी निवेशकों से इसे छिपाया।

वर्ष 2024 के अंत में दायर इस मुकदमे में अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने गौतम अडानी और ऊर्जा कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रमुख तथा उनके भतीजे सागर अडानी पर आरोप लगाया था कि उन्होंने भारतीय सरकारी अधिकारियों को करोड़ों डॉलर के बराबर राशि देने का वादा किया और उसके एवज में ऊर्जा खरीद अनुबंध हासिल किए। साथ ही, कंपनी ने अमेरिका के निवेशकों से कई अरब डॉलर जुटाए जिन्हें कथित रूप से यह आश्वासन दिया गया था कि कंपनी के पास मजबूत भ्रष्टाचार-रोधी अनुपालन कार्यक्रम है और वरिष्ठ प्रबंधन की ओर से यह वादा किया गया था कि कोई रिश्वतखोरी नहीं होगी। एसईसी ने उस समय कहा था कि ये कार्रवाइयां अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों के धोखाधड़ी-रोधी प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं।

अमेरिकी अदालत की ओर से जारी दस्तावेजों के अनुसार, गौतम अडानी ने छह लाख अमेरिकी डॉलर का जुर्माना जबकि उनके भतीजे सागर अडानी ने 1.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमति जतायी है। प्रस्तावित समझौते में किसी भी प्रकार के अपराध की स्वीकारोक्ति शामिल नहीं है। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने उस समय आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें निराधार बताया था। बृहस्पतिवार को गौतम तथा सागर के वकीलों को भेजे गए संदेशों का कोई जवाब नहीं मिला।

इनकम टैक्स रिटर्न भरना हो गया चालू, आयकर विभाग ने आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटीज किए अपलोड

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं तो यह खबर आपके काम की है। आयकर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के लिए एक्सेल यूटिलिटीज जारी कर दिया हे। मतलब कि अब करदाता इस वर्ष के लिए अपना आयकर रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। आयकर विभाग ने 15 मई 2026 की सुबह 07:38 बजे एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। आयकर विभाग के ट्वीट में लिखा है- 'करदाता ध्यान दें!

एक्सेल यूटिलिटी और ऑनलाइन फाइलिंग एनेबल कर दी गई है और अब करदाताओं के लिए ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध है।'

अब भर सकते हैं अपना आईटीआर

आयकर कानून के जानकार और इनकम टैक्स कंसल्टिंग फर्म रवि राजन के टैक्सेशन पार्टनर सी. कमलेश कुमार ने बताया कि कुछ सप्ताह पहले ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इन फॉर्मों को जारी किया था। इसमें कुछ बदलाव भी किए गए हैं। अब उसकी यूटिलिटी अपलोड कर दी गई है। मतलब कि अब ये फॉर्म लाइव हो गए हैं। अब करदाता अपना रिटर्न भर कर जमा कर सकते हैं। चाहे तो करदाता इन यूटिलिटीज को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की साइट से डाउनलोड भी कर सकते हैं।

क्या है आईटीआर: आयकर रिटर्न एक फॉर्म है जिसके माध्यम से करदाता अपनी आय, कटौतियों और कर देयता को आयकर विभाग के सामने उजागर करते हैं। इसे हर वित्तीय वर्ष की 31 जुलाई तक दाखिल करना अनिवार्य है। वर्तमान में सात अलग-अलग आइटीआर फॉर्म्स हैं और लागू फॉर्म करदाता की श्रेणी, आय की प्रकृति और आय के स्तर के आधार पर भिन्न होता है। इस समय आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटीज लाइव हुए हैं।

किनके लिए हैं ये फॉर्म

आईटीआर-1 फॉर्म को सरल या सहज भी कहते हैं। यह फॉर्म वेतनभोगियों के लिए होता है। आईटीआर-4 फॉर्म छोटे कारोबारी या फिर प्रोफेशनल के लिए होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)